दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया इप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-140, भोपाल रविवार 03 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"कल तो चला गया। आने वाले कल अभी आया नहीं है। हमारे पास केवल आज है। आईये शुरुआत करें।"
- मदर टेरेसा

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई दिल्ली। शनिवार से चैत्र नवरात्रि शुरू हो गया है। मंदिरों में माता रानी का जयकारा लग रहा है। वहीं इसी के साथ हिंदू नववर्ष का भी प्रारंभ हुआ है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन देशभर के दुर्गा मंदिरों में सुबह से पूजा-अर्चना की जा रही है। श्रद्धालुओं की लंबी लाइन देवी मां के मंदिर के बाहर लगी हुई है। भक्तगण मां दुर्गा के जयकारे लगा रहे हैं। नवरात्रि के नौ दिन माता रानी के नौ रूपों की पूरे विधि विधान के साथ पूजा की जाती है। आज चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है, इस दिन माता शैलपुत्री की आराधना होती है। माता रानी का आशीर्वाद पाने के लिए और उनकी भक्ति में भक्तगण उपवास रखते हैं।

देशभर में जगह-जगह पर माता रानी के मंदिरों में भक्त पूजा कर रहे हैं। वहीं दिल्ली के झंडेवालान मंदिर में माता के श्रद्धालुओं की लाइन बढ़ती जा रही है। प्रातःकाल से ही पूजा के लिए भक्त आ रहे हैं। मंदिर में सुबह की आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मुंबई में माता रानी की पूजा में समस्त श्रद्धालु सुबह से जुटे हुए हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मुंबा देवी मंदिर में आरती की जा रही है। मां दुर्गा की पूजा में लीन भक्तगण पूजा पाठ कर रहे हैं।

जहां देशभर में मां दुर्गा की पूजा की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ कर्नाटक में आज ह्वह्रद्व2022 के अवसर पर भक्त हुबली में नागशेट्टी कोप्पा हनुमान मंदिर में पूजा करते हुए नजर आ रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त देशवासियों को हिन्दू नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर कहा, हिन्दू नव वर्ष, नव संवत्सर विक्रम संवत 2079 की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि नव वर्ष सबके जीवन में सुख, समृद्धि, संपन्नता और आरोग्यता का संचार करे। सम्पूर्ण सृष्टि सद्भाव व सहयोग की भावना से दीप्त हो। देश में आज चैत्र नवरात्रि के साथ हिंदू चंद्र कैलेंडर का पहला दिन उगादी / गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जा रहा है। यह पर्व संवत्सर पावो, चेती चंद और नवरेह जैसे कई अन्य नामों से भी जाना जाता है। इस पर्व को वसंत की शुरुआत और रबी फसलों की कटाई के जश्न के रूप में मनाया जाता है।

भारत-नेपाल में सौर परियोजना को लेकर हुआ बड़ा समझौता,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाले-पड़ोसी देश की शांति और समृद्धि के लिए हमेशा देंगे साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को भारत पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने आज हैदराबाद हाउस में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की बैठक के दौरान सौर परियोजना को लेकर एक बड़ा समझौता भी हुआ। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमने नेपाल की जलविद्युत विकास परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की अधिक भागीदारी पर भी सहमति व्यक्त की है और अब नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का सदस्य बन गया है। पीएम ने आगे कहा कि इस समझौते के तहत नेपाल अपनी अतिरिक्त बिजली भारत को निर्यात कर रहा है और यह नेपाल के आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान देगा।

नेपाल की विकास यात्रा में एक दृढ़ साथी बने रहेंगे

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में देउबा की तारीफ करते हुए कहा कि वे भारत के पुराने मित्र हैं और उन्होंने भारत-नेपाल संबंधों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीएम ने कहा कि भारत नेपाल की शांति, समृद्धि और विकास की यात्रा में एक दृढ़ साथी रहा है और आगे भी हमेशा रहेगा।

दोनों देशों में संबंध और मजबूत होंगेः देउबा

बैठक को संबोधित करते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा कि दोनों नेताओं में भारत-नेपाल संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर मैत्रीपूर्ण बातचीत और उपयोगी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दोनों देशों में मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे और बैठक में इसपर विचार भी साझा किए गए हैं। देउबा ने इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की भी प्रशंसा की और भारत की ओर से कोरोना महामारी के दौरान प्राथमिक वैक्सीन सहायता और दवाएं, चिकित्सा उपकरण पाने के लिए धन्यवाद भी दिया।

सीमा पार यात्री ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेपाली समकक्ष ने इस बैठक में संयुक्त रूप से भारत की अनुदान सहायता के तहत निर्मित जयनगर (भारत) और कुर्था (नेपाल) के बीच सीमा पार यात्री ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन भी किया। इसी के साथ उन्होंने भारत सरकार की क्रेडिट लाइन के तहत निर्मित नेपाल में सोलू कॉरिडोर 132 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन और सबस्टेशन और नेपाल में भारत की स्वदेशी भुगतान प्रणाली पर आधारित रुपे कार्ड भी लांच किया। पीएम मोदी ने कहा कि नेपाल में रुपे कार्ड का शुभारंभ दोनों देशों की वित्तीय कनेक्टिविटी में एक नया अध्याय जोड़ेगा। बता दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने पीएम मोदी से मिलने से पहले राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी दी। गौरतलब है कि देउबा इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं।

सीमा मुद्दे को बातचीत से सुलझाने की जरूरत

पीएम नरेंद्र मोदी और नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा के बीच व्यापक वार्ता के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को कहा कि एक सामान्य समझ है कि भारत और नेपाल के बीच सीमा मुद्दे को बातचीत के माध्यम से जिम्मेदार तरीके से संबोधित करने की जरूरत है और इसके राजनीतिकरण से बचना चाहिए। मीडिया को दिए अपने बयान में देउबा ने कहा कि सीमा मुद्दे पर चर्चा हुई और उन्होंने मोदी से द्विपक्षीय तंत्र की स्थापना के माध्यम से इसे हल करने का आग्रह किया। श्रृंगला ने कहा कि इस मुद्दे पर संक्षेप में चर्चा हुई। एक सामान्य समझ है कि दोनों पक्षों को अपने करीबी और मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना में चर्चा और बातचीत के माध्यम से इसे जिम्मेदार तरीके से संबोधित करने की जरूरत है और ऐसे मुद्दों के राजनीतिकरण से बचने की जरूरत है। श्रृंगला से इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एक भावना थी कि हमें इसे चर्चा और बातचीत के माध्यम से संबोधित करना चाहिए। नेपाल द्वारा 2020 में एक नया राजनीतिक मानचित्र प्रकाशित करने के बाद भारत और नेपाल के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे, जिसमें तीन भारतीय क्षेत्रों लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया गया था।

हथियारों के लिए दूसरों के भरोसे नहीं रह सकता भारत, बनना होगा आत्मनिर्भर: राजनाथ सिंह

हैदराबाद, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को हैदराबाद में चेतक हेलीकाप्टरों के डायमंड जुबली के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं को देखते हुए हमारी सरकार ने डिफेंस प्रोडक्शन में आत्मनिर्भरता पर बल दिया है। अतीत में हम डिफेंस प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाए।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हमें रक्षा के क्षेत्र में अपने कंधों को मजबूत करना होगा। रक्षा क्षेत्र में अपनी जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। अब तक भारत ने केवल सभ्यतागत मूल्यों, शांति और सच्चाई के लिए हथियार उठाए हैं। भारत की मंशा कभी किसी के खिलाफ हमले की नहीं रही है। इससे पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि देश ने अतीत में रक्षा उत्पादन क्षेत्र में प्रगति नहीं की और दूसरे देशों पर अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आश्रित रहे।

रक्षा मंत्री ने भारत ने हेलीकाप्टरों के डिजाइन, डेवलपमेंट और आपरेशन में मजबूती हासिल कर ली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि वैश्विक नेता बनने के क्रम में 10 टन के भारतीय मल्टीरोल हेलीकाप्टर के डिजाइन को बेहतर बनाने की जरूरत है। डायमंड जुबली समारोह में रक्षा मंत्री ने बताया कि किए गए आकलन के अनुसार 1000 सिविलियन हेलीकाप्टरों की जरूरत है और इतनी ही संख्या में मिलिट्री सेक्टर में हेलीकाप्टरों की जरूरत है।

रक्षा मंत्री ने कहा, %महाराणा प्रताप के वफादार व भरोसेमंद घोड़े की तरह ही चेतक हेलीकाप्टरों ने भी दशकों तक युद्ध व शांति में हमारे देश की सेवा की है।% चेतक हेलीकाप्टरों के डायमंड जुबली कान्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा इस मंच से मैं सभी कर्मवीरों को नमन करता हूं साथ ही देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। देश की रक्षा का जब महायज्ञ होता है तो उसमें किसी एक की ही आहुति नहीं पड़ती है। बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से पूरा देश अपनी आहुति देता है। आज का यह समारोह देश की सेवा में अपना योदान देने वाले कर्मवीरों के मेहनत और समर्पण का उत्सव है।

डॉ. मिश्र ने कृषि उपज मंडी में कैंटीन का किया शुभारंभ

दतिया। मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कृषि उपज मंडी दतिया में किसानों को स्वल्पाहार भोजन आदि की सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु शनिवार को कैंटीन का शुभारंभ किया। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने हिन्दू नव संवत्सर नववर्ष, चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कृषि उपज मंडी दतिया में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कैंटीन सुविधा का शुभारंभ किया। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने इस अवसर पर नागरिकों एवं किसान भाईयों को हिन्दू नववर्ष, नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो। कृषि उपज मंडी सचिव दतिया श्री आरएस परिहार ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशों के तहत् कृषि उपज मंडी दतिया में कैंटीन के माध्यम से 5 रूपये में भोजन की सुविधा किसानों को उपलब्ध कराई जायेगी। जबकि किसान निर्धारित मूल्य पर कैंटीन से नाश्ता भी कर सकते है। तीन वर्ष के लिए ठेके पर कैंटीन रहेगी। गृह मंत्री ने कैंटीन के शुभारंभ के पूर्व बग्गीखाना किला चौक पर सिंधी युवा मंडल द्वारा बाईक रैली के कार्यक्रम में भाग लिया और झूलेलाल मंदिर दांतरे की नरिया में पहुंचकर चैती चांद के कार्यक्रम में शिरकत की। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने दतिया पहुंचने पर माँ पीताम्बरा की पूजा अर्चना कर वनखण्डेश्वर महादेव का अभिषेक कर शनि महाराज के भी दर्शन किए। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल सर्वश्री योगेश सक्सैना, विपिन गोस्वामी, प्रशांत ढेंगुला, जीतू कमरिया, अतुल भूरे चौधरी, राहुल राजा, गिर्राज राजा परमार, बल्ले रावत, सनत पुजारी, बलदेव राज बब्लू सहित समाजसेवी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बोले- रविवार को करूंगा बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार का घर जाना करीब-करीब तय हो गया है। हालांकि, इमरान और उनके मंत्री लगातार यही दावा कर रहे हैं कि सरकार को कोई खतरा नहीं है। इमरान ने एक इंटरव्यू में फिर नया दावा किया। कहा- मुल्क और दुनिया तैयार रहे। मैं रविवार को बड़ा खुलासा करूंगा।

दूसरी तरफ, ??अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले नेशनल असेंबली की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी से हर सांसद की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं

इस्लामाबाद में भी सुरक्षा लिहाज से रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। विपक्ष के पीएम पद के उम्मीदवार शहबाज शरीफ की सुरक्षा में पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के लिए विपक्ष ने पीटीआई के असंतुष्ट सांसदों के वोट नहीं डलवाने का फैसला किया है। विपक्ष के मुताबिक, उनके पास प्रस्ताव पारित करवाने के लिए पहले से ही जरूरी नंबर मौजूद हैं, इसलिए जब तक जरूरत नहीं होगी तब तक पीटीआईके बागी सांसद वोट नहीं डालेंगे। मतदान की प्रक्रिया को लेकर सवालों से बचने के लिए ये फैसला किया गया है।

शहबाज को प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे

इमरान खान के बेहद करीबी और कैबिनेट मंत्री फवाद चौधरी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ पर तंज कसा है। चौधरी ने कहा- सपने देखने का हक तो हर किसी को है। अगर शहबाज शरीफ भी वजीर-ए-आजम बनने का ख्वाब पालकर बैठे हैं तो हम क्या कह सकते हैं। वो इतना जरूर ध्यान रखें हम किसी भी सूरत में उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे। आप देखेंगे कि चीजें कितनी तेजी से बदलती हैं।

देशभर में गर्मी से लोग हुए बेहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल के शुरू होते ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में भंयकर गर्मी शुरू हो गई है। साथ ही देश के कई हिस्सों में लू का भी प्रकोप जारी है। देशभर के मौसम की जानकारी देते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के शीर्ष अधिकारी आरके जेनामणि ने बताया कि मार्च के महीने में पूरे देश में अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो अब तक का सबसे अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री सेल्सियस रहा। यह तीसरा सबसे अधिक है। उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान 30.73 डिग्री सेल्सियस देखने को मिला, जो 122 वर्षों में सबसे अधिक है। इसी तरह पूर्वी उत्तर भारत में भी तापमान देखा गया है। मौसम विभाग ने 3 से 6 अप्रैल के बीच अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू चलने की भविष्यवाणी की है।

श्रीलंका में इमरजेंसीः ईंधन की किल्लत दूर करने भारत ने भेजा 40,000 टन डीजल

कोलंबो में सेना तैनात, कड़ी सुरक्षा के बीच खुली दुकानें

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में गहराती आर्थिक समस्या के बीच राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने शुक्रवार को आपातकाल का ऐलान कर दिया। आदेश में कहा गया है कि देश की सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति के रखरखाव के लिए ये फैसला लिया गया है। इसके बाद पूरे देश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शनिवार को राजधानी कोलंबो में सेना की तैनाती के बीच दुकानें खोली गईं, ताकि लोग जरूरी सामान खरीद सकें।

इधर, फ्यूल क्राइसिस से जूझते श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने जो ऑयल टैंकर भेजा था, वह शनिवार को श्रीलंका पहुंच गया है। इसके बाद फ्यूल क्राइसिस से जूझते

लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, भारत ने श्रीलंका को 1 बिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन दी है। इसी के तहत 40,000 टन डीजल ले जाने वाला एक जहाज श्रीलंका पहुंचा है। इमरजेंसी के ऐलान के बाद सेना संदिग्धों को बिना किसी मुकदमे के गिरफ्तार कर सकती है और लंबे समय तक हिरासत में रख सकती है। राजपक्षे की सरकार को समर्थन दे रही 11 पार्टियों ने कैबिनेट भंग कर अंतरिम सरकार के गठन की मांग की है। इनका कहना है कि हालिया कैबिनेट बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हुई है। इससे पहले गुरुवार देर रात हजारों लोगों ने राष्ट्रपति राजपक्षे के निवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन और पथराव किया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस हिंसक टकराव में कम से कम 5 पुलिसकर्मियों समेत 10 लोग घायल हुए। हिंसा के आरोप में 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा श्रीलंका

देश में फ्यूल और गैस की कमी हो गई है। हालात पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों को कई घंटों तक लाइन में लगाना पड़ रहा है। एजुकेशनल बोर्ड के पास कागज और स्याही खत्म हो गई है, जिसके बाद परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई हैं। श्रीलंका में गुरुवार की शाम डीजल नहीं था, जिससे ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप हो गया। इसके साथ ही देश के 2.2 करोड़ लोगों को काफी लंबे समय तक बिजली की कटौती का सामना भी करना पड़ा। आलम ये है कि यहां लोगों के लिए दूध सोने से भी ज्यादा महंगा हो गया है। लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए भी कई परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश के 85 नदियों का हो रहा है जल गुणवत्ता मापन

भोपाल। पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि प्राकृतिक जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिये उनकी सतत निगरानी की जा रही है। पर्यावरण विभाग द्वारा प्रदेश की 85 नदियों एवं उनकी सहायक नदियों की जल गुणवत्ता का मापन कार्य किया जा रहा है। पिछले डेढ़ वर्ष में प्रमुख नदियों, उनकी सहायक नदियों, झील, बांध, तालाब, भू-जल स्त्रोत और नालों से 12 हजार 357 जल नमूने एकत्रित कर जल गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। मंत्री श्री डंग ने बताया कि प्रदेश की नदियों के जल गुणवत्ता का आंकलन और वर्गीकरण केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आधारित मानक पर किया जाता है। गुण मापन में आने वाली प्रदेश की 85 नदियों में - अजनाल, अनास, अंगरेड, असन, बेस, बंजर, बावनगंगा, बेबस, बेतवा, बिछिया, बिहर, बोरार, बेसली, चंबल, चामला, चिलार, चकरार, चोरल, छोटा तवा, छोटी काली सिंध, चौपन, देनवा, देब, धसान, गंभीर, गोई, गोपद, गौर, गुनौर, हथनी, हिरन, जामर, जमुनी, जोहिला, कचान, काली सिंध, कन्हान, करियारी, कटनी, केन, केवई, खान, खुज, क्षिप्रा, कुंदा, कुरैल, कलियासोत, मान, माचना, महानदी, महेश्वरी, माही, मालेनी, मंदाकिनी, मैयर, मुरना, नर्मदा, नेवज, नेवार, परियट, पार्वती, पेंच, क्वारी, रिहंद, शक्कर, शंख, सरस्वती, सटक, सीप, सीवन, शेर, शिवना, सिलगी, सिमरार, सिंध, सोनार, सोन, सुखद, सतना, सर्फा, तामिया, तासी, टोंस, उमरार और वैनगंगा हैं।

मंत्री सुश्री ठाकुर ने दी गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएँ

भोपाल। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि और हिंदू नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी है। सुश्री ठाकुर ने कहा कि हिंदू पंचांग की शुरुआत गुड़ी पड़वा पर्व से होती है। यह चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। बताया जाता है कि वर्ष प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी होती है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने माँ आदि शक्ति जगदम्बा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में उत्साह, जोश, खुशी, समृद्धि और कामना पूर्ति की प्रार्थना की है।

B.Com छात्रा ने 6वीं मंजिल से लगाई छलांग, मौत

भोपाल में कॉलेज से पेपर देकर घर आई, मां से बोली- पार्लर जा रही हूं, नानी के फ्लैट की छत से कुदी

भोपाल

भोपाल के बागसेवनिया इलाके में B.Com की छात्रा ने छठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। छात्रा शुक्रवार दोपहर कॉलेज से पेपर देकर घर लौटी। मां से ब्यूटी पार्लर जाने की बात कहकर शाम को चली गई। थोड़ी देर बाद वह अपनी नानी के घर पहुंची और छत से छलांग लगा दी। छात्रा के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, भेल संगम चौराहा कुंदन नगर में रहने वाली वंदना चौहान पिता हरिओम चौहान (22) निजी कॉलेज से बीकॉम फाइनल की पढ़ाई कर रही थी। छात्रा के पिता हरिओम सीमेंट कंपनी में पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि बेटी का मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता था। सात साल से उसका इलाज चल रहा था। सीएम शिवराज सिंह चौहान उनके रिश्तेदार हैं। छात्रा का अंतिम संस्कार गांव मछुवाई, सीहोर में होगा। शनिवार को पीएम के बाद परिजन शव लेकर सीहोर के लिए रवाना हुए।

नानी के घर की मल्टी की छत से लगा दी छलांग

पिता ने बताया, सबसे बड़ी बेटी वंदना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे पेपर देकर घर लौटी। थोड़ी देर घर में रहने के बाद उसने मां से कहा कि उसे पार्लर जाना है। देर शाम करीब सात बजे वह घर से पार्लर के लिए निकली। करीब आधा घंटे बाद पता चला कि वह प्रोस्पेरा सोसायटी में रहने वाली अपनी नानी सुषमा चौहान की मल्टी में पहुंच गई। वह नानी के फ्लैट में न जाकर सीधे छत पर पहुंची और छलांग लगा दी। जानकारी मिलते ही लहूलुहान हालत में परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। तब तक काफी देर हो चुकी थी।

छत पर मिली चप्पल, 100 फीट ऊंचाई से कूदी

छात्रा के पिता ने बताया, छात्रा की नानी का घर से हमारा घर 1 किलोमीटर दूर है। वंदना पैदल ही नानी के घर तक गई थी। छत पर वंदना की चप्पल मिली है। इससे लग रहा कि उसने छत से ही छलांग लगाई है। करीब 100 फीट ऊंचाई से नीचे गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। जब अस्पताल लेकर गए तब उसका शरीर बहुत गर्म था। डॉक्टर ने चेक करते ही उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल में किसी ने जेवर उतार लिया

हरिओम ने बताया कि अस्पताल में मौत के बाद बेटी के जेवर किसी ने उतार लिए। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के दौरान जेवर चोरी का पता चला। उसके सोने के कान के दो कुंडल गायब मिले। पुलिस का अनुमान है कि शव को पैक करने वाले कर्मचारियों ने ऐसी हरकत की होगी। पुलिस ने जेवर चोरी को जांच में लिया है।

सीएमओ से पिता के पास आते रहे फोन

छात्रा के पिता हरिओम ने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान उनके रिश्तेदार हैं। उनका गांव सीएम के गांव के पास ही है। पोस्टमॉर्टम के दौरान हरिओम के पास मुख्यमंत्री कार्यालय से कई अधिकारियों के फोन भी आए। वे शव गांव लेकर जाने की व्यवस्था को लेकर पूछते रहे। हरिओम ने बताया कि पुलिस की कार्रवाई की वजह से पीएम देरी से हो सका।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा

मार्च 2022 में 18 प्रतिशत अधिक राजस्व संग्रहण

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कार्मिकों को दी बधाई

भोपाल ।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल ने मार्च-2021 की तुलना में माह मार्च-2022 में रिकार्ड राजस्व संग्रह करते हुए कंपनी के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण किया है। गत वर्ष की तुलना में कंपनी द्वारा मार्च-2022 में 18 प्रतिशत अधिक राजस्व संग्रहण किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिए कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा एवं कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने बताया कि मार्च 2022 के राजस्व संग्रहण के लिए दिन-रात वसूली के लिए आधार बनाने, माहौल तैयार करने एवं बेहतर रणनीति की बदौलत यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि कंपनी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मार्च माह में अथक परिश्रम कर कंपनी को रिकार्ड राजस्व संग्रहण में अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। प्रबंध संचालक ने मैदानी अमले खासतौर पर मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, उपमहाप्रबंधक, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, लाइन स्टाफ एवं आउटसोर्स कार्मिकों को इस उपलब्धि का श्रेय दिया है। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कंपनी के उच्चदाब एवं सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है और आशा व्यक्त की है कि उपभोक्ताओं का सहयोग इसी प्रकार लगातार मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डॉ. हेडगेवार की जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। डॉ. हेडगेवार बचपन से ही क्रांतिकारी प्रवृत्ति के थे, उन्हें अंग्रेज शासकों से घृणा थी। उन्होंने 1925 में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेगडेवार का मत था कि जाति-पाति और छूआ-छूत के भेद के कारण हम असंगठित और दुर्बल हुए। परिणामस्वरूप मुट्ठी भर लुटेरों के हाथों हमें हार खानी पड़ी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केसिया और मौलश्री का पौधे लगाए

» सिंधु सेना के प्रतिनिधियों ने भी किया पौध-रोपण

» मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी चेटीचंड की शुभकामनाएँ

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी पार्क में सिंधु सेना के प्रतिनिधियों के साथ केसिया और मौलश्री का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिंधु सेना के प्रतिनिधियों को चेटीचंड की बधाई और शुभकामनाएँ दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ सिंधु सेना के सर्व श्री राकेश कुकरेजा, दर्शन कुकरेजा, अनिल थारवानी, नरेंद्र ठाकुर, सुनील सराठे और अतुल घेंटट ने पौध-रोपण किया। प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को सिंधी संस्कृति की प्रतीक टोपी भेंट की। आज लगाए गए मौलश्री को संस्कृत में केसव, हिन्दी में मोलसरी या बकूल भी कहा जाता है। यह औषधीय महत्व का वृक्ष है, जिसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है। केसिया की छाल और पत्तियों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाएँ बनाने में किया जाता है।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 तक टी.बी मुक्त प्रदेश बनाने का लक्ष्य

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से विश्व क्षय दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) भोपाल में टी.बी. मुक्त मध्यप्रदेश संकल्प कार्यशाला हुई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 तक प्रदेश को टी.बी. मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभियान चलाकर मिशन मोड में कार्य करें। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर उप स्वास्थ्य केन्द्रों में सीएचओ पदस्थ किये गये हैं, जो टी.बी. का इलाज करेंगे। वर्तमान में प्रदेश में 8 हजार सीएचओ की नियुक्ति की गई है। जल्द ही 2 हजार सीएचओ और नियुक्त होंगे। स्वास्थ्य

मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में अमले और संसाधनों की कमी नहीं है। जिस प्रकार कोविड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीम बनाकर लोगों की जाँच की गई, उसी प्रकार टी.बी. की जाँच की जाएगी। टी.बी. बीमारी को जड़ से मिटाने के लिए मेहनत और लगन से कार्य करना होगा। हर जिले में इस संबंध में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रत्येक जिला चिकित्सा अधिकारी को पहल करना होगी। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि सभी स्वास्थ्य अधिकारी यह संकल्प लें कि हम प्रदेश को टी.बी. मुक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। विकासखण्ड स्तर पर मॉलिक्यूलर टेस्टिंग के लिए 296 टुनाइट मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इन मशीनों से शीघ्र जाँच संभव हो सकेगी। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को आश्वस्त किया कि शासन द्वारा टी.बी. के मरीजों की जाँच और इलाज में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। कार्यशाला में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने सब नेशनल सर्टिफिकेशन, भारत सरकार में स्वर्ण पदक विजेता जिला चिकित्सालय खरगोन और कांस्य पदक विजेता जिला चिकित्सालय उज्जैन को पदक तथा स्मृति-चिन्ह भेंट किए।

प्रदेश में होगी स्टेम सेल थैरेपी आधारित बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना

भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर एवं रीवा के मेडिकल कॉलेज से होगी शुरूआत

भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि प्रदेश में स्टेम सेल थैरेपी आधारित बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना की जा रही है। मध्यप्रदेश में चार मेडिकल कॉलेज भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा में यह सुविधा प्रारंभ होगी। लगभग 6 माह में इसे विकसित किया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में चिकित्सकीय सेवाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में अब रक्त से संबंधित

असाध्य रोग को ब्लड कैंसर के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में बच्चों की जेनेटिक बीमारियाँ जैसे सिकल सेल एनीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया, थैलीसीमिया तथा कैंसर ल्यूकीमिया, मल्टीपल माईलोमा, नॉन हॉजकिन्स लिंफोमा के उपचार के लिए बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना की जाएगी। प्रथम चरण में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में 6 बिस्तरीय बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट एवं 24 बिस्तरीय पीडियाट्रिक कैंसर यूनिट की स्थापना की जाएगी। इस यूनिट के माध्यम से विश्व-स्तरीय चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें स्वयं के (ऑटोलॉगस) स्टेम सेल ग्राफ्टिंग एवं अन्य व्यक्ति के (एलोजेनिक) बोनमेरो ट्रांसप्लांट किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि बच्चों में सिकल सेल एनीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया एवं थैलीसीमिया जैसी जेनटिक बीमारियों के कारण बच्चों के संक्रमित बोनमेरो को निकाल कर दूसरे व्यक्ति का स्वस्थ बोनमेरो करने के बाद बोनमेरो ट्रांसप्लांट किया जाएगा। पीड़ित बच्चों के बोनमेरो को ट्रांसप्लांट करने के लिए प्राथमिक डोनर बच्चों के भाई-बहन होते हैं, जिनका बोनमेरो के बच्चों के बोनमेरो से मैच करने की संभावना 25 प्रतिशत से अधिक होती है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

सीएम ने बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित सिरहा-गुनिया सम्मेलन में किया विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

सीएम ने 104 करोड़ रु. के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर प्रवास के दौरान बस्तरवासियों को 104 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने नगर पंचायत बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित सिरहा-गुनिया सम्मेलन में 70 करोड़ रुपए की लागत के 17 कार्यों का लोकार्पण और लगभग 34 करोड़ 33 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही बस्तर नगर पंचायत क्षेत्र के 11 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र प्रदान किया तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत यहां 151 नवविवाहित जोड़ों को आर्शीवाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने यहां लगभग 3 करोड़ 4 लाख रुपए की लागत से कचनार से चोलनार तक निर्मित 4.9 किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत से पाहुरबेल से उड़ियापाल तक निर्मित 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 2 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से मंगनार से तोंगकोंगेरा तक डामरीकृत 4 किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 2 करोड़ 22 लाख रुपए की गुड़िया से कालागुड़ा तक निर्मित 6.2 किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत से नगरनार से नदीबोड़ना तक निर्मित 5 किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 1 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से रायकोट से सोढ़ीपारा तक निर्मित 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क, एक करोड़ 4 लाख रुपए की लागत से नानगुर मे निर्मित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन, 55 लाख रुपए की लागत से घाट धनोरा मे निर्मित शासकीय हाईस्कूल भवन का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही साथ कार्यक्रम में 55 लाख रुपए की लागत से बाबू सेमरा मे निर्मित शासकीय हाईस्कूल भवन, एक करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से कोलचूर से घाट कवाली तक निर्मित 5.5 किलोमीटर लंबी सड़क, 5 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से नारायणपाल से कोरमेल तक निर्मित 13.5 किलोमीटर लंबी सड़क, एक करोड़ 56 लाख रुपए की लागत से बागमोहलई से राजा डोंगरी तक निर्मित 4.1 किलोमीटर लंबी सड़क, 20 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से डिलमिली से पखनार तक निर्मित 20.8 किलोमीटर लंबी सड़क के साथ ही 2 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत के बस्तर विश्वविद्यालय में निर्मित ट्रांजिस्ट हॉस्टल व माता रुक्मणी सेवा संस्थान में एक करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से निर्मित हॉस्टल, 5 करोड़ 81 लाख रुपए की लागत से फरसागुड़ा से पखना कोंगेरा तक निर्मित 21 किलोमीटर लंबी सड़क, 15 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से बस्तर से कुम्हली तक निर्मित 23.28 किलोमीटर लंबी सड़क का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में जिन कार्यो का भूमिपूजन किया, उनमें 2 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत के जैतगिरी से डुरकाबेड़ा तक 4 किलोमीटर लंबी सड़क, एक करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से सोनपुर से बनियागांव तक 3 किलोमीटर लंबी सड़क, 2 करोड़ 33 लाख रुपए की लागत के बस्तर विश्वविद्यालय के अतिथि भवन, 5 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत के सोरगांव से जामगांव तक 5.5 किलोमीटर लंबी सड़क, एक करोड़ 97 लाख रुपए की लागत के टेमरा से पुरुषपाल तक 1.7 किलोमीटर लंबी सड़क, 2 करोड़ 99 लाख रुपए की लागत के बोदरा से चोंडीघाट तक 4 किलोमीटर लंबी सड़क शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 2 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत के बागमोहलई से जामगुड़ा तक 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क, 5 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत के बुड़गीभाटा से चीतापुर तक 7 किलोमीटर लंबी सड़क, 4 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत के मंडवा से ढोढरेपाल तक 5 किलोमीटर लंबी सड़क, 3 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत के किलेपाल में नवीन आईटीआई भवन, एक करोड़ 65 लाख रुपए की लागत के कोलेंग से ओड़ीसा सीमा तक 8.6 किलोमीटर लंबी सड़क, 25 लाख रुपए की लागत के बेड़ा उमरगांव के कृषक प्रशिक्षण भवन, 15 लाख रुपए की लागत के कुम्हारपारा जगदलपुर के यूनानी औषधालय व 15 लाख रुपए की लागत के साकेत कॉलोनी जगदलपुर के होम्योपैथिक औषधालय का भूमिपूजन भी किया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, सांसद श्री दीपक बैज, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप,विधायक चित्रकोट श्री राजमन बेंज़ाम, विधायक दंतेवाडा श्रीमती देवती कर्मा, ऊर्जा विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री मिथलेश स्वर्णकार, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एमआर निषाद, जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री ने की गंगादई माता की पूजा अर्चना, प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवरात्रि के पहले दिन बस्तर विकासखण्ड मुख्यालय के पुजारीपारा में स्थित गंगादई माता के मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां माता गंगादई की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, सांसद श्री दीपक बैज, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप,विधायक चित्रकोट श्री राजमन बेंज़ाम, विधायक दंतेवाडा श्रीमती देवती कर्मा, ऊर्जा विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री मिथलेश स्वर्णकार, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एमआर निषाद, जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू, कमिश्नर श्री श्याम धावड़े, पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पी, मुख्य वन संरक्षक श्री मोहम्मद शाहिद, कलेक्टर श्री रजत बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र मीणा, सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। बस्तर रियासत की पूर्व राजधानी बस्तर में माता की प्रतिमा की उत्पत्ति बांस के जड़ को एक ग्रामीण द्वारा उसके कंद को निकालते समय अपने आप जमीन से हुई है। जिसे गंगादई माता का नाम दिया गया। यह दन्तेश्वरी माता की ही बहन है। बाद में भव्य मंदिर का रूप दिया गया। राजा प्रवीरचंद भंजदेव भी यहाँ पूजा करने आया करते थे। यह राजा महाराजा के जमाने का मंदिर है, यह मंदिर बस्तर के 112 गांवों के लोगों के देवी आस्था का केन्द्र है। प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा को मेला भरता है जिसमें सभी 112 गांवों के देवी देवता माता से भेंट करने आते है। इसी मंदिर परिसर में एक प्राकृतिक जल कुंड भी स्थित है। इस कुंड का जल कभी सूखता नहीं है। इसके जल से कई प्रकार की चर्म रोग, बीमारी ठीक हो जाती है। प्राचीन समय से कुंड के जल से ही माता का स्नान किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन पूजा-अर्चना की

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने चैत्र नवरात्रि पर्व के प्रथम दिन आज राजभवन के उपासना कक्ष में विधिवत घट स्थापना एवं ज्योति कलश प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की। राज्यपाल सुश्री उइके ने मां दुर्गा की पूजा एवं आरती कर देश और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

सीएम ने साहित्यकार श्री चक्रवर्ती के निधन पर दुख प्रकट किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार श्री परितोष चक्रवर्ती के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। श्री परितोष चक्रवर्ती का आज सवेरे रायपुर में निधन हो गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्री चक्रवर्ती के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि श्री परितोष चक्रवर्ती ने आजीवन पत्रकारिता और साहित्य की सेवा की।

मदिरा दुकान बंद होने के समय में परिवर्तन

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री चन्दन कुमार द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत जिले के मदिरा की फुटकर दुकानों को बंद करने के समय में परिवर्तन किया गया है। छत्तीसगढ़ आबकारी देशी, विदेशी मदिरा की फुटकर, बिक्री के अनुज्ञापनों के व्यवस्थापन नियम 18 के नियम 10 सहपठित एवं आबकारी अधिनियम 1915 यथा संशोधित की धारा 24 की उप धारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर श्री चन्दन कुमार ने शासकीय राजस्व हित में वर्ष 2022-23 के लिए जिले के देशी विदेशी मदिरा दुकान चारामा, कांकेर एवं भानुप्रतापपुर को प्रातः 09 से रात्रि 10 बजे तक खुले रखने के निर्देश दिये है।

मुख्यमंत्री ने हिन्दू नववर्ष कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित हिंदू नववर्ष कैलेंडर का विमोचन किया । इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री जे. के. उपाध्याय, मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अतुल तिवारी एवँ सदस्यगण उपस्थित थे । श्री उपाध्याय ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा पहली बार हिन्दू नववर्ष पर आधारित कैलेंडर का निर्माण किया गया है, जिसमें तीज-त्यौहारों, तिथियों और शुभ मुहूर्तों का विधिवत उल्लेख किया गया है । उन्होंने ट्रस्ट के कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि चित्रकूट एवँ रावतपुरा धाम में संस्कृत स्कूलों की स्थापना की गयी है, जहाँ विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के साथ ही निःशुल्क भोजन और आवास की सुविधायें उपलब्ध है । यहां विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ ही भारत की पुरातन संस्कृति एवँ समृद्ध परम्पराओं की भी जानकारी दी जाती है ।

रेरा के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करें : श्री ढांड

रियल एस्टेट प्रमोटर्स, आर्किटेक्ट्स एवं इंजीनियर्स की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

रायपुर। भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष श्री विवेक ढांड की अध्यक्षता में आज यहां सर्किट हॉउस में छत्तीसगढ़ रेरा के प्रावधानों के सफल संचालन हेतु रियल एस्टेट प्रमोटर्स, आर्किटेक्ट्स एवं इंजीनियर्स की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।

रेरा के अध्यक्ष श्री विवेक ढांड ने कहा कि रेरा ने विगत चार वर्शों में 1433 शिकायतों व प्रकरणों का निराकरण किया है। प्राधिकरण द्वारा इस अवधि में 1394 प्रोजेक्ट्स एवं 650 एजेन्ट्स भी पंजीकृत किये गये हैं। श्री ढांड ने प्रमोटर्स से रेरा विनिर्दिष्ट खाते संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया। वर्कशॉप में रियल एस्टेट प्रमोटर्स, आर्किटेक्ट्स एवं इंजीनियर्स की ओर से प्राप्त समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में रेरा के सदस्य श्री आर.के. टाम्टा, छत्तीसगढ़ रेरा न्याय निर्णायक अधिकारी श्रीमती दीपा कटारे, रजिस्ट्रार छत्तीसगढ़ रेरा श्रीमती डॉ. अनुप्रिया मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सूडा श्री आशीष टिकरिहा, अपर संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्री संदीप बागड़े, दुर्ग, राजनांदगावं एवं जगदलपुर के संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश उपस्थित थे। क्रेडाई की ओर से श्री पंकज लाहोटी, उपाध्यक्ष श्री संजय रहेजा सहित अन्य जिलो के क्रेडाई सदस्य, प्रमोटर्स, आर्किटेक्ट्स एवं इंजीनियर्स भी कार्यशाला में शामिल हुए।

रेरा द्वारा बिलासपुर में 23 अप्रैल शनिवार को कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है। रजिस्ट्रार रेरा द्वारा इस कार्यशाला में अधिक से अधिक प्रमोर्ट्स, आर्किटेक्ट्स एवं इंजीनियर्स की उपस्थिति रहने का आग्रह किया है।

फर्जीवाड़ा: पटवारी, खरीदी केंद्र प्रभारी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर

मुंगेली। एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में धान खरीदी केंद्र के माध्यम से एक करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा सामने आया है। बताया गया है कि यहां काम कर कर रहे खरीदी केंद्र प्रभारी ने दूसरे कर्मचारियों के साथ मिलकर उन लोगों से भी धान खरीद लिया। जो लोग धान बेचने के लिए पात्र नहीं थे। साथ ही कुछ दस्तावेज में हेरफेरी कर ऐसे जमीनों के नाम से भी धान खरीदा गया है। जिन जमीनों के नाम से धान नहीं खरीदना था। इस मामले की शिकायत कलेक्टर से हुई थी। जिसके बाद पूरे मामले में खरीदी केंद्र प्रभारी समेत 11 लोगों के खिलाफ लालपुर थाने में केस दर्ज किया गया है। सुरेठा धान खरीदी केंद्र में अवैध धान खरीदी की शिकायत कुछ समय पहले कलेक्टर अजीत वसंत से हुई थी। शिकायत में उन्हें बताया गया कि केंद्र प्रभारी राजेश कश्यप, ऑपरेटर जितेंद्र कश्यप ,बारदाना प्रभारी मन्नू कश्यप और हल्का नंबर 34 में पदस्थ पटवारी राजकुमार पाटले समेत कुल 11 लोगों ने मिलकर ये फर्जीवाड़ा किया है। केंद्र के प्रभारी ने ऐसे लोगों से धान खरीद लिया है। जो बेचने के लिए पात्र ही नहीं थे। फिर भी उनसे फर्जी तरीके से धान खरीदा गया। इस प्रकार कई ऐसे लोगों हैं ,जिनसे खरीद लिया गया। कुल मिलाकर एक करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया है।

एसडीएम ने की थी जांच

शिकायत होने के बाद कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच एसडीएम से करवाई थी। जिसमें ये सही पाया गया है। जिसके बाद कलेक्टर ने इन सभी के खिलाफ केस दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर अब इन आरोपियों के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मामले में अभी और भी खुलासा हो सकता है। खासकर इसमें जिला पंचायत के प्रतिनिधि का भी नाम सामने आ रहा है। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

पैसे भी वसूले जाएंगे

इस मामले में कलेक्टर का कहना है कि जो भी अपात्र व्यक्ति थे और जिन लोगों ने भी कूटरचना कर दस्तावेजों के साथ हेराफेरी किया है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिन राशी को लिया गया है। उसे वसूला भी जाएगा। बताया जा रहा है कि सुरेठा धान खरीदी केंद्र में न सिर्फ अपात्र व्यक्तियों के नाम से धान की खरीदी की गई है। बल्कि मंदिर के नाम पर दर्ज भूमि के नाम पर भी धान बेचा गया है।

समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए किया जा रहा काम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार लगातार अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। राज्य के निःशक्तों के लिए सरकार सहारा बन रही है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राहत पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। फिर चाहे वह बुजुर्ग हों, दिव्यांग हों या भिक्षुक अथवा तृतीय लिंग के समुदाय के लोग हों। हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं पर काम हो रहा है।

गौरतलब है कि वर्तमान सरकार ने राज्य में नई पहल करते हुए तृतीय लिंग समुदाय के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकारी नौकरियों में उन्हें अवसर देने की शुरुआत की। पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान वर्ष 2021-22 में 13 तृतीय लिंग (उभय लिंगी) समुदाय के व्यक्तियों की नियुक्ति राज्य पुलिस सेवा में की गई। इसके साथ ही उभय लिंगी व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए आश्रय सह पुनर्वास केन्द्र संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। देश में इस प्रकार का यह पहला केन्द्र है, जो उभय लिंगी व्यक्तियों के लिए स्थापित किया जा रहा है। दूसरी ओर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का निराकरण टेलीफोनिक माध्यम से किया जा रहा है। राज्य सरकार ने दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम-2016 के प्रावधानों के अनुसार दिव्यांग व्यक्तियों को पुनर्वास सेवाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक पुनर्वास केन्द्र स्थापित करने का निर्णय किया गया है। इस कड़ी में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर में कुल पांच भवनों का निर्माण किया जाएगा।

इस प्रयोजन के लिए वर्ष 2022-23 में 100 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। इधर विभागीय गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं अतिसंवेदनशील हितग्राहियों को एक ही परिसर में सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवा रायपुर अटल नगर में राज्यस्तरीय कार्यालय स्थापित करने के लिए दो एकड़ भूखण्ड पर बाधारहित भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में पांच करोड़ रुपये का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

आदिवासियों पर निरंतर अत्याचार निंदनीय : कोमल हुपेंडी

दंतेवाड़ा। प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी जनों पर निरंतर हो रही दमनात्मक कार्यवाही पर रोष व्यक्त किया है। कल नारायणपुर में जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे आदिवासियों पर हुए लाठीचार्ज की आम आदमी पार्टी ने घोर निंदा की है। पार्टी ने जांच हेतु एक प्रतिनिधि मंडल नारायणपुर में पीड़ित आदिवासियों से मिलने तुरंत रवाना कर दिया है उसमें प्रदेश कोषाध्यक्ष जसबीर सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष देवलाल नरेटी,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष समीर खान,जिला अध्यक्ष नरेंद्र नाग,पूर्व विधायक प्रत्याशी जगमोहन बघेल,यूथ विंग के जिलाध्यक्ष राजू सलाम, राकेश उसेन्डी, सोसल मीडिया टीम लोकेश भारद्वाज आदि शामिल है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में आदिवासियों की मांगों को अनसुना कर उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। विगत कुछ वर्षों से से चाहे भाजपा के 15 साल हों या कांग्रेस के 3 साल हमेशा आदिवासियों की मांगों को अनदेखा किया गया । उन्हे या तो नक्सली बताकर या झूठे एनकाउंटर में मारकर और डराकर प्रताड़ित किया जा रहा है जो असहनीय है। नारायणपुर में जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे आदिवासियों पर हुए लाठीचार्ज का आम आदमी पार्टी विरोध करती है। आम आदमी पार्टी अब पूरी तरह आदिवासी भाईयों के साथ है और अंत तक उनके हक की लड़ाई में साथ रहोगी।

पूरे प्रदेश में सीधे सादे आदिवासी भाईयों की मांगों को लेकर कोई सुनवाई नहीं है सिर्फ उनका लगातार दमन से उन्हें तोड़ा जा रहा है।

हसदेव अरण्य बचाओ आंदोलन: वर्षों से आदिवासी पर्यावरण संरक्षण व जल, जंगल, जमीन बचाने छत्तीसगढ़ के आदिवासी संघर्ष करने सड़कों पर संघर्षरत हैं। पिछले 10 दिनों से लगातार चलते हुए हसदेव अरण्य क्षेत्र को बचाने आदिवासी छत्तीसगढ़ की राजधानी 14 अक्टूबर 2021 के रायपुर पहुंचे थे।

उनका आरोप था कि उनकी लड़ाई अवैध तरीके से अडानी द्वारा की जा रही कोयला खनन के खिलाफ है। उनकी मांग है कि उनका क्षेत्र जो कि पांचवी अनुसूचि में पड़ने वाला क्षेत्र में खनन के नाम पर जबरिया जमीन अधिग्रहण, और कोयला खदान संचालन हो रहा है इस पर तुरंत रोक लगे। हसदेव अरण्य मामले में आदिवासियों ने 2015 में हसदेव अरण्य की 20 ग्राम सभाओं ने खनन के विरोध में प्रस्ताव पारित किया था। 2019 में ग्राम फतेहपुर में 75 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया लेकिन राज्य सरकार ने कोई संज्ञान नही लिया था। उनकी लड़ाई अभी भी जारी है। विदित हो कि उन्होंने अपनी यात्रा वहीं से शुरु की जहां पर वर्ष 2015 में राहुल गांधी ने हसदेव अरण्य के समस्त ग्राम सभाओं के लोगो को संबोधित करते हुए यह वायदा किया था कि उनकी सरकार आने के बाद मूल-निवासियों की जल- जंगल -जमीन का संरक्षण किया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ इसलिए वे इस संघर्ष में आदिवासियों के साथ है।

सिलगेर मामले: दक्षिण बस्तर के सिलगेर गांव में एक महीने से आदिवासी धरने पर बैठे हैं लेकिन छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार की ओर से कोई बड़ी पहल होती नहीं दिख रही. मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रायपुर में मुख्यमंत्री और राज्यपाल से मुलाकात की और मामले में दखल देने की मांग की. राज्य सरकार पहले ही कह चुकी है कि सिलगेर में सड़क और पुलिस कैंप बनाने के अभियान पर वह अडिग है.

संपादकीय

भ्रष्ट नौकरशाही जनकांक्षाओं को कब्र बना देती है

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ फिर से मुख्यमंत्री बन गये हैं। उनका भारी-भरकम मंत्रिमंडल काम करना भी शुरू कर दिया है। प्रचारित यह किया गया है कि मंत्रिमंडल के गठन में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व मिला है, इसलिए सभी वर्गो का विकास सुनिश्चित है। खासकर मुस्लिम वर्ग के प्रतिनिधित्व को लेकर खास तरह की चर्चा है। चर्चा यह है कि भाजपा ने ऐसे व्यक्ति को मंत्रिमंडल में जगह दी है जो शिया मुस्लिम नहीं है बल्कि सुन्नी मुस्लिम है और वह गरीब, अपमानित और हाशिये पर खड़ी मुस्लिम जाति का प्रतिनिधित्व करता है। अब तक भाजपा पर शिया मुस्लिम का प्रभुत्व ही रहता था। योगी के पहले कार्यकाल में जो एक मात्र मुस्लिम मंत्री हुआ करते थे वे शिया मुस्लिम जाति का ही प्रतिनिधित्व करते थे। यूपी और खासकर लखनउ में शिया व सुन्नी मुस्लिम जातियों के बीच वर्चस्व के झगड़े होते रहे हैं। इसके साथ ही साथ केशव प्रसाद मौर्या भी फिर से उप मुख्यमंत्री बन गये हैं। केशव प्रसाद मौर्या विधान सभा का चुनाव हार चुके थे। केशव प्रसाद मौर्या को भाजपा का पिछड़ा चेहरा माना जाता है और यह कहा जाता है कि केशव प्रसाद मौर्या ने पिछड़ों के बीच भाजपा की पहुंच कायम करने में बहुत बड़ी भूमिका निभायी है। यह सही बात है कि पिछड़ों की राजनीति के प्रबंधन में भाजपा जरूर चैम्पियन रही है। यही कारण है कि अखिलेश यादव पिछड़ों की राजनीति के प्रंबधन में फिसड्डी साबित हुए। अगर पिछड़ों की राजनीति के प्रबंधन में भाजपा विफल होती तो निश्चित मानिये कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को जीत नहीं मिलती। चुनावी राजनीति में सिर्फ विकास और उन्नति पर ही वोट मिलेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। चुनावी राजनीति में जाति भी एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन गयी है। जातीय आधार पर वोट करने की परम्परा विकसित हुई है जो चुनावों के दौरान स्पष्ट दिखती है।योगी का यह कहना भी है कि उनका दूसरा कार्यकाल बेमिसाल और जनकांक्षाओं के प्रतीक साबित होगा। विचारण का महत्वपूर्ण विषय यह है कि क्या भारी-भरकम मंत्रिमंडल का गठन कर देने मात्र से, मंत्रिमंडल में सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर देने मात्र से ही उत्तर प्रदेश की जनता की जनकांक्षाएं पूरी हो जायेंगी? स्वच्छ और पारदर्शी शासन देने का स्थयी वायदा पूरा हो जायेगा, जरूरत मंदों की निजी कार्यो के निस्तारण में गति आयेगी? भ्रष्टचार और कदाचार कम होगा? नौकरशाही जो भ्रष्ट है और निकम्मी है, वह शिष्ट और सक्रिय बनेगी, पुलिस जो आम लोगों पर अत्याचार करती है, उत्पीड़न करती है, जेल भेजने या फिर झूठे मुकदमों का अपराधी बनाने की डर दिखा कर जो वसूली करती है, वह वसूली बंद हो जायेगी? क्योंकि आम जनता की शिकायत अधिकतर नौकरशाही के प्रति ही होती है, आम जनता की इच्छाओं और भविष्य की कब्र बनाने के लिए नौकरशाही हमेशा यमराज की भूमिका में होती है। नौकरशाही को जनाकांक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाने की सारी कोशिशें विफल ही साबित होती है। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो नौकरशाही को जिम्मेदार बनाने की कभी कोई सार्थक प्रयास ही नहीं हुआ। मायावती की जब सरकार थी तब भी नौकरशाही भ्रष्ट थी,अराजक थी और जनता के लिए यमराज थी। अखिलेश यादव की जब सरकार थी तब भी नौकरशाही की स्थिति वैसी ही थी जो मायावती की सरकार में थी। मायावती और अखिलेश की सरकार के दौरान नौकरशाही पूरी तरह से भ्रष्ट ही थी। अब यहां यह प्रश्न भी उठता है कि योगी के प्रथम कार्यकाल में नौकरशाही कैसी थी? नौकरशाही क्या जनता के प्रति जिम्मेदार थी, नौकरशाही क्या ईमानदार थी, नौकरशाही क्या सरकार की विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए सक्रिय थी? इन सभी प्रश्नों के उत्तर कोई खास उत्साह जनक नहीं थे। योगी जरूर ईमानदार हैं। योगी संत है, परिवार और संपत्ति मोह के गुलाम नहीं है। योगी पर अखिलेश या मायावती की तरह धन का जुगाड़ करने और परिवार के लिए कार्य करने जैसे आरोप नहीं लगाये जा सकते हैं। पर प्रशासनिक अमले को जिम्मेदार बनाने की सफलता और असफलता पर योगी की आलोचना और समालोचना क्यों नहीं हो सकती है? निश्चित तौर पर योगी के प्रथम कार्यकाल के दौरान भी नौकरशाही पूरी तरह से ईमानदार नहीं थी और सरकारी योजनाओं का बंदरबांट करने में अपनी भूमिका निभा रही थी। नौकरशाही के भ्रष्ट होने और नौकरशही के निकम्मेपन की शिकार सरकारी योजनाएं ही होती हैं। देश में जितनी भी लोकप्रिय और जनता के महत्व-विकास वाली योजनाएं आयी वे सफल क्यों नहीं हुई, उन सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ जनता को क्यों नहीं मिला? इसके पीछे भी कारण नौकरशाही ही है। फाइल दबा कर बैठना, फाइल पर गलत नोटिंग कर अटका कर रखना, नौकरशाही की ऐसा करतूत है जिसकी सजा जनता तो भुगतती ही है, इसके अलावा सरकार भी भुगतती है, सरकार की छबि खराब होती है। स्थिति तो यहां तक है कि छोटे-छोटे कार्य जैसे जाति प्रमाण पत्र बनाने, आय प्रमाण पत्र बनाने, आवास प्रमाण पत्र बनाने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, वसीयत पंजीकरण बनाने आदि कार्य में भी नौकरशाही के लिए रिश्वत निर्धारित है, रिश्वत नहीं देने पर ये सभी कार्य संभव ही नहीं होंगे?

क्या सिर्फ भारत की जनता महंगाई से त्राहिमाम कर रही है? दुनिया के अन्य देशों के हालात क्या हैं?

नीरज कुमार दुबे

बढ़ती महंगाई के खिलाफ पूरा विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ हमलावर है। देश के विभिन्न राज्यों में विपक्ष के नेता और कार्यकर्ता भाजपा पर महंगाई रोकने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन भी कर रहे हैं। मोदी सरकार वैश्विक हालात को महंगाई का कारण बता रही है तो विपक्ष का कहना है कि सरकार आम आदमी की जेब काटकर अपना खजाना भर रही है और चंद उद्योगपतियों को फायदा पहुँचा रही है। ऐसे में आम आदमी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि सरकार सही बोल रही है या विपक्ष?कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ऐसा कहर ढाया है कि अमीर देशों में गरीबी बढ़ गयी और गरीब देशों के लिए जीना दुश्वार हो गया है। महामारी थमी और अर्थव्यवस्थाओं ने फिर से पटरी पर दौड़ना शुरू किया तो यूक्रेन पर रूस के युद्ध ने ऐसे हालात पैदा कर दिये कि कोई देश प्रभावित होने से नहीं बचा। ये जो महंगाई आपको भारत में देखने को मिल रही है वह सिर्फ हमारे देश की नहीं बल्कि विश्व की इस समय की सबसे बड़ी समस्या हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध से सप्लाई चेन पर असर पड़ा है, तेल की कीमतों में इजाफे के चलते हर चीज की महंगाई बढ़ी है जिससे दुनिया के लगभग सभी देशों की सरकारों को जनता की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। आइये आपको विश्व भर में महंगाई के हालात से रूबरू कराने के क्रम में सबसे पहले पड़ोसी देश पाकिस्तान की बात करते हैं। वहां इमरान खान की सरकार पर संकट ही इसलिए आया है क्योंकि पाकिस्तान में महंगाई बेलगाम हो गयी है। पाकिस्तान में महंगाई ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं जिसके चलते इमरान खान की कुर्सी खतरे में पड़ गयी है। श्रीलंका के हालात सबके सामने ही हैं। अभूतपूर्व आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका में महंगाई बेलगाम हो गयी है। श्रीलंका में हालात ये हैं कि चावल 500 और चीनी 300 रुपये किलो तक बिक रही है। बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, मालदीव में भी महंगाई चरम पर है। थोड़ा दक्षिण एशिया से बाहर चलें और पश्चिमी देशों की ओर देखें तो अमेरिका में महंगाई ने 40 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देखा जाये तो अमेरिकियों को 1982 के बाद से सबसे अधिक महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका में मंदी का खतरा मंडरा रहा है जो वहां की सरकार की चिंता बढ़ा रहा है और हर चीज की बढ़ी कीमतों ने वहां आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है। ब्रिटेन की बात करें तो वहां भी बेतहाशा महंगाई देखने को मिल रही है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अनुमान जताया है कि सालाना महंगाई की दर इस साल 8.0 फीसदी को पार कर सकती है और अप्रैल में यह 7.25 फीसदी पर रह सकती है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने एक बयान में मान1 है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने महंगाई के मोर्चे पर दिक्कत और बढ़ा दी है। जर्मनी की बात कर लें तो वहां भी तीन दशक में महंगाई सबसे ज्यादा देखने को मिल रही है जिससे खाने-पीने की वस्तुओं समेत बुनियादी चीजों और ईंधन के दामों में बड़ा उछाल आने की वजह से लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है। जर्मनी में जमा पर बैंक ब्याज दरें घटने से बचत पर जोर देने वाले लोग भी निराश दिख रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में महंगाई से इतना बुरा हाल है कि वहां की सरकार के खिलाफ लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। आस्ट्रेलिया में मई में होने वाले चुनावों को देखते हुए वहां की सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कुछ उपाय किये हैं जिसके तहत कुछ करों को कम किया गया है। तुर्की में मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 20 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। तुर्की में ऊर्जा की कीमतें लागतार चढ़ रही हैं। तुर्की सांख्यिकी संस्थान के अनुसार, उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें पिछले महीने 4.81त्न बढ़ी हैं। महंगाई को काबू में करने के लिए तुर्की के राष्ट्रपति ने करों में कटौती का ऐलान किया है। स्पेन में महंगाई लगभग चार दशकों में सबसे तेज दर से बढ़ी है और उम्मीदों से आगे निकल गई है जिससे जनता बेहाल है। चीन में भी महंगाई बढ़ रही है और कोरोना के चलते कुछ शहरों में लगे लॉकडाउन की वजह से अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। ग्लोबल महंगाई के जिम्मेदार देश रूस का खुद भी महंगाई से बुरा हाल हो गया है। रूस में वार्षिक मुद्रास्फीति 25 मार्च तक बढ़कर 15.66त्न हो गई, जो सितंबर 2015 के बाद से उच्चतम है। रूस में मुद्रास्फीति पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से बढ़ी है क्योंकि रूबल की गिरावट अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। रूस में खाद्य उत्पादों से लेकर कारों तक की मांग में तेज वृद्धि है क्योंकि लोगों को लगता है कि आने वाले समय में इनकी कीमत और बढ़ जायेगी। जापान की बात करें तो वहां महंगाई मार्च महीने में रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है। यूक्रेन संकट के चलते जापान में ऊर्जा और खाद्य उत्पादों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। कनाडा में भी बढ़ती महंगाई के बीच माना जा रहा है कि 7 अप्रैल को आने वाले केंद्रीय बजट में सरकार शायद कुछ राहत उपायों की घोषणा कर सकती है। ईरान में महंगाई ने लगभग 60 सालों का, न्यूजीलैंड में 30 सालों और सिंगापुर में लगभग दस सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है तो इजराइल, इटली, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, लिथुआनिया, बेल्जियम, आस्ट्रिया आदि देशों की जनता भी महंगाई से त्राहिमाम कर रही है। यही नहीं खाड़ी देशों में भी महंगाई का असर साफ देखने को मिल रहा है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकारों को गरीब जनता को महंगाई से राहत दिलाने के उपाय करने ही चाहिए। भारत की सरकार ने इस दिशा में क्या किया है यदि इस पर बात कर लें तो हाल ही में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को छह महीने के लिए विस्तार दे दिया गया है ताकि गरीबों को हर माह मुफ्त राशन मिलता रहे। यही नहीं केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। कई राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि सरकारी कर्मचारियों से ज्यादा संख्या निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की है और उन्हें भी राहत मिलनी ही चाहिए। अंत में एक सवाल विपक्ष से भी है जोकि इन दिनों महंगाई के मोर्चे पर मोदी सरकार को घेर रहा है। विपक्ष को यह बताना चाहिए कि जिन राज्यों में वह सत्ता में है वहां महंगाई कम करने के लिए उसने क्या उपाय किये?

कश्मीरी पंडितों की पीड़ा पर दिल्ली विधानसभा में लगे अट्टास ने चौंकाया

इन्द्रप्रस्थ अभिशप्त है 'शकुनी अट्टहासों' के लिए। द्वापर में लाक्षाग्रह पर शकुनियों ने इसी इन्द्रप्रस्थ में अट्टहास किया था और अब कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार पर दिल्ली विधानसभा में वही गान्धार नरेश का अट्टहास सुनाई पड़ा है। दिल्ली में कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार पर बनी 'दि कश्मीर फाइल्स' फिल्म को करमुक्त करने की मांग उठी तो मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल ने जवाब दिया कि फिल्म को सोशल मीडिया प्लेटफार्म यू-ट्यूब पर डाल दो, बिल्कुल निःशुल्क हो जाएगी। इस हल्की-फुल्की टिप्पणी से स्वयं उनके श्रीमुख पर शकुनी अट्टहास तो पसरा ही साथ में पूरी कौरवसभा की बत्तीसी के भी दर्शन हो गए। फिल्म की करमुक्ति की मांग इसलिए की गई थी कि अधिक से अधिक लोग कश्मीर में हिन्दुओं के साथ हुए अत्याचारों को पर्दे पर देख सकें व अतीत से सबक सीख सकें। लेकिन संवैधानिक पद पर विराजमान केजरीवाल ने जिस संवेदनहीनता का परिचय दिया वह लम्बे समय तक मानवता को शर्मसार करता रहेगा।

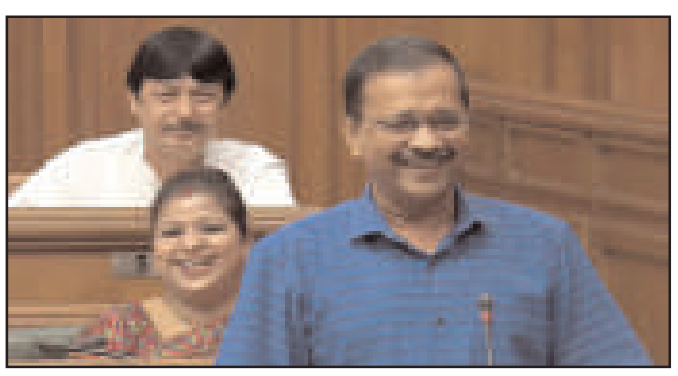

राकेश सैन

निर्लज्ज अट्टहासों के बीच समाचार आया कि अमेरिका स्थित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं धार्मिक स्वतन्त्रता आयोग ने नब्बे के दशक में कश्मीरी हिन्दुओं से हुए अत्याचारों व पलायन को 'नरसंहार' की संज्ञा दी है। आयोग ने कश्मीर हिंसा पीड़ितों की जनसुनवाई की, बड़ी संख्या में पीड़ितों ने शपथपत्र देकर अपने साथ हुई बर्बरता की व्यथा बयान करने के साथ ही आयोग के समक्ष अपने साक्ष्य और प्रमाण पेश किए। पीड़ितों ने आयोग के समक्ष कई मांगें रखीं जिसमें इस प्रकरण को नरसंहार का दर्जा देना भी शामिल था। आयोग ने इसे स्वीकार कर लिया है, इस घोषणा से देश के उस छद्म उदार व धर्मनिरपेक्ष शक्तियों की कलई खुल गई जो 'दि कश्मीर फाइल्स' के रास्ते सामने आए सत्य को झुठलाने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हीं शक्तियों में दिल्ली के ये माननीय भी शामिल हैं। चाहे अट्टहासों का इतिहास पुराना है परन्तु दुनिया के वामपन्थियों ने इसका प्रयोग अपना विमर्श स्थापित करने व सच्चाई को हवा में उड़ाने की तकनीक के रूप में भी किया है। अमेरिका में यथार्थवादी कट्टरपन्थियों के लिए एक व्यावहारिक संग्रहक वामपन्थी विचारक साउल डी. एलिंस्की ने अपनी पुस्तक 'रूल्स फॉर रेडिकल्स' में विरोधी विमर्श (नैरेटिव) को ध्वस्त करने के लिए जिन 13 नियमों का उल्लेख किया है उसमें केजरीवाल मार्का अट्टहास भी शामिल है। क्योंकि तर्कों का जवाब दिया जा सकता है परन्तु उपहास का नहीं। इसमें सामने वाला अपने आप को अपमानित महसूस करता है। उपहास सबसे बड़ा हथियार है जो सामने वाले को निःशस्त्र कर देता है। वामपन्थी चाहे दास कैपिटल को सिद्धान्तिक तौर पर अपना साहित्य बताते हैं परन्तु 'रूल्स फॉर रेडिकल्स' पुस्तक वामपन्थियों की हदीस मानी जाती है। वामपन्थियों द्वारा अपने विरोधियों विशेषकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जैसों के खिलाफ काफी लम्बे समय से इसी शस्त्र का प्रयोग करते रहे हैं। आज भी सोशल मीडिया में कार्टून, मीम्स, टैक्सट मैसेज, कविताओं, चुटकुलों आदि के सहारे गम्भीर विमर्श को हल्का कर उसे झुठलाने व अपने विचार थोपने का प्रयास होता है। फिल्म के बाद छद्म उदारवादियों व धर्मनिरपेक्षतावादियों की लाख आलोचनाएं कश्मीरी हिन्दुओं की पीड़ा झुठलाने में असफल रहीं परन्तु दिल्ली की निर्मम अट्टहास ने मानो यह कार्य क्षणों में कर दिया। अपनी पुस्तक 'विषैला वामपन्थ' में डॉ. राजीव मिश्रा कहते हैं कि बंगाल, त्रिपुरा में राजनीतिक पराजय के बाद पूरे वामपन्थ को पराजित मान लेना बड़ी भूल है, क्योंकि यह रूप बदल-बदल कर सामने आता है। वामपन्थी अपने जन्म से ही जिहादियों की ढाल रहे हैं। वे इस्लाम के खिलाफ कुछ नहीं बोलते। कम्युनिस्ट कुटुम्ब अकसर पंक्तियां गाते मिलता है कि 'सब ताज उछाले जाएंगे और तख्त गिराए जाएंगे।' फिल्म 'दि कश्मीर फाइल्स' में भी वाममार्गी फैज अहमद फैज की इस कविता को लिया गया है जो यूं है ... ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी फैज ने विभाजन के समय पाकिस्तान चुना। वहाँ सेना से निकल कर वह 'पाकिस्तान टाइम्स' के सम्पादक बने।

इमरान का संकट

पाकिस्तान की सियासत का अब हर दिन बेहद अहम है। वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश हो चुका है। प्रस्ताव पर चार अप्रैल को वोटिंग होगी। लेकिन प्रस्ताव से पहले ही इमरान सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान की जम्हूरी वतन पार्टी के नेता और बलूचिस्तान में सलाहकार शाहजैन बुगती ने इमरान की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के बिलावल भुट्टो के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुगती ने कहा कि मैं अब विपक्षी गठबंधन के साथ हूं। इससे पहले उनकी पार्टी के 24 सांसद और तीन सहयोगी दल इमरान का साथ छोड़ चुके हैं। पाकिस्तान की संसद में बहुमत के लिए 172 सांसदों की जरूरत है। इमरान के पास 179 सदस्य हैं। जिसमें पीटीआई के 155 सदस्य हैं। लेकिन सांसदों के बागी होने के बाद अल्पमत में इमरान सरकार है। अब तक करीब 24 सांसद इमरान खान का साथ छोड़ चुके हैं। जिसके बाद से कहा जा रहा है कि इमरान के लिए सरकार बचाना काफी मुश्किल हो चुका है। इमरान खान की स्थिति अनिश्चित है और चार सहयोहियों में से तीन ने एमक्यूएम-पी, पीएमएल-क्यू और बीएपी ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को अपना समर्थन दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने उसी के अनुसार मतदान करने की बात भी कही है। विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पास कराने के लिए 172 सदस्यों की जरूरत है, लेकिन उन्हें 190 सदस्यों का समर्थन मिल सकता है। इस बीच इमरान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सदस्यों को वोटिंग से दूरी बनाने की हिदायत दी है। कहा जा रहा है कि इमरान को अपनी पार्टी के सदस्यों पर ही भरोसा नहीं है कि वे उनके पक्ष में वोट करेंगे। इमरान इसलिए नहीं चाहते की उनकी पार्टी के सदस्य वोटिंग में शामिल हों, क्योंकि वोटिंग के दौरान बगावत करने वालों की संख्या 24 से बढ़कर 40 तक हो सकती है। पाकिस्तान की ताकतवर सेना पहले ही कह चुकी है कि वह इस मामले में तटस्थ रहेगी। सेना की तटस्थता का सबूत यह भी है कि हाल ही में खैबर पख्तुनख्वा में स्थानीय निकाय के और पंजाब में एक जगह उपचुनाव हुए। दोनों ही जगह पीटीआई सत्ता में है। जब विपक्ष को यकीन हो गया कि इमरान की मदद के लिए सेना हस्तक्षेप नहीं करेगी, तभी उसने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भेजा। फिर सत्तारूढ़ पीटीआई के कुछ सांसदों ने पाला बदलते हुए खुलेआम कहा कि वे विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेंगे, तब सैन्य प्रतिष्ठान ने उन्हें नहीं रोका। इस पर नाराज इमरान खान ने एक रैली में पूछा कि तटस्थता क्या होती है।

हाय गर्मी, उफ ऑलर्जी

आयुर्वेद मौलिक एवं चिकित्सीय विषय होने के परिणामस्वरूप, आयुर्वेद में वर्णित विषयों की गरिमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। मौलिक विषयों के अंतर्गत दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या, सद्वृत्त आदि विषयों का विवेचात्मक अध्ययन प्राप्त होता है। दिनचर्या के अनुरूप आहार विहार का सेवन रोगप्रतिरोधक क्षमता के साथ-साथ षरीर एवं मन को प्राकृत बनाए रख्ता है। ऋतुचर्या में मुख्यत: ऋतुविभाजन दो आवष्यक विषयों के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है। जिसमें आहानकाल एवं विसर्गकाल का वर्णन प्राप्त होता है। आदान काल का अर्थ ही आग्नेयकाल कहा गया है। जिसमें ग्रीष्मऋतु का वर्णन प्राप्त होता है। इस ऋतु में सूर्य की प्रखर किरणें भूमिस्य जल का आचूषण कर रूक्षता बढता हुआ षारीरिक बल एवं अग्नि को क्षीण करता है। जिससे त्वचा संबंधित विविध विकार उत्पन्न होने लगते है। ऐसा हि त्वत्रगत विकार ऑलर्जी भी है। ग्रीष्मऋतु में षीतल खाद्य एवं पेय पदार्थ का सेवन करना चाहिए अन्यथा बाह्यगरमी के साथ-साथ आभ्यांतर पित्त एवं रक्त की विकृत अवस्था

डॉ. एम.बी. पिल्लेवान
विभागाध्यक्ष '' संहिता''
आर.डी. एम.सी. भोपाल।

बढने से त्वचाविकार उत्पन्न होने लगते है। अधिक मात्रा में उष्ण, सिक्ष्ण, क्षारीय अम्लीय, लवणीय, विदाही, मांसाहा, मद्य आदि का सेवन रक्तवुष्टी से त्वचा में पित्त का प्रकोप कर दाद, खाज, खुजली, घमोरिया, पसीने की दुर्गंध, दाह ''जलन'', दन्दु, पिचार्चिका, मुँहासे आदि को बढाने लगता है। यह अवस्था कालातंर से जीर्ण रूप प्राप्त कर त्वकविकार कों कष्टतम अवस्था की ओर ले जाती है। जिससे रोगी में दीर्घकालीन , जीर्णचिरकारी स्वकदुषी संक्रामक अवस्था को भी प्राप्त कर सकती है। दुषित खान - पान एवं पेयपदार्थों का प्रयोग भी ग्रीष्मऋतु में त्वकदुष्टि का कारण माना गया है। इसलिए सावधान होकर खान-पान का चयन करना चाहिए। ग्रीष्मऋतु में षीतलजल से 2 बार स्नान, अधिक मात्रा में जल का सेवन, ग्रीनसलॉड ,फ्लाहार, दूध, नारियलपानी सिकंजी, गन्ने का रस, नींबूपानी,कोकमषरबत का समावेष प्रतिदिन के खान-पान में करना चाहिए।इससे अन्यत्र बाह्य अभ्यांतर सूतिवस्त्र का चयन भी आवष्यक है। त्वकगत ऑलर्जी उत्पन्न होने पर औषध स्वरूप गुडूचि, निम्ब, पटोल, चिरायता, हरिद्राखण्ड, प्रवाल, मुक्ता, माणिक्य, सारिवा, मंजिष्ठा, खदिर आदि से निर्मित विविध योगों का प्रयोग करना चाहिए। गर्मी एवं पसीने से बचने हेतु षीत स्थान चयनमनोनित है।

त्वचा एवं केष में संचित स्वेद ;पसीनेद्ध को स्वच्छ करने हेतु हरबल सोप एवं षम्पू का प्रयोग करना चाहिए। ध्यान रखें गर्मी से नहीं ऑलर्जी से डरे। उसे दूर करने का प्रयास करें ताकि भविष्य में पुन: इस प्रकार के विकार उद्भव न हो पायें।

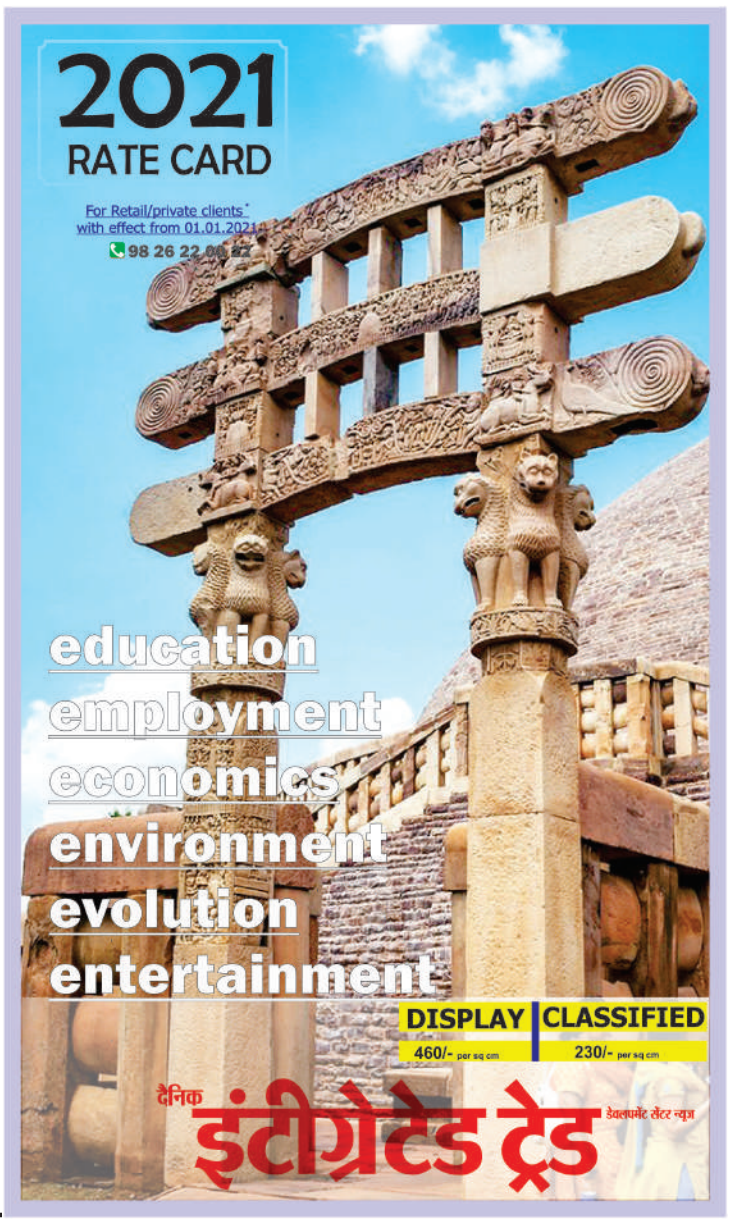

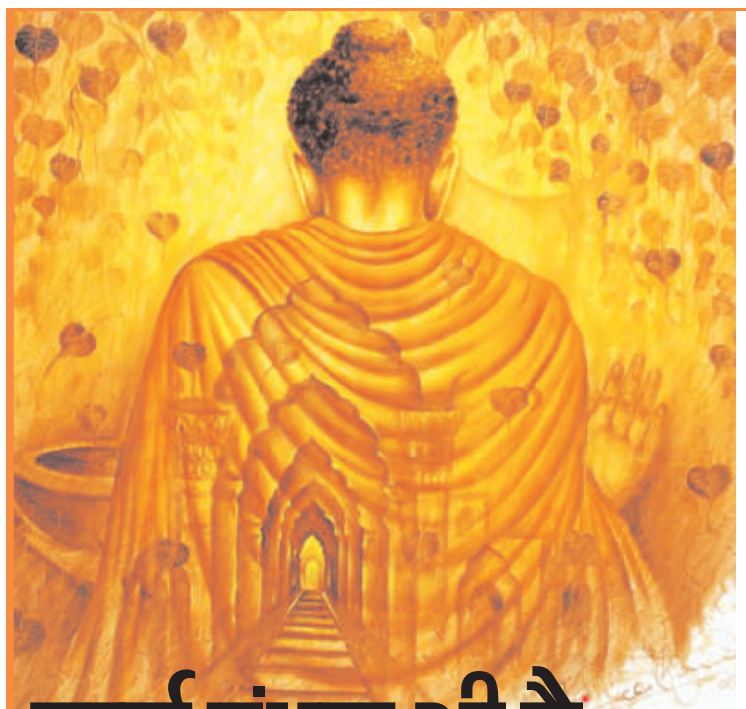

कर्म बंधन भी है और मुक्ति भी

आपको यह समझ लेना है कि जीवन स्वयं आपका रचा हुआ है। यह आपकी खुद की करनी है, किसी और की नहीं। हम अकसर अपने अच्छे या बुरे कर्मों के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराते रहते हैं, हालात और मजबूरियों का हवाला देते रहते हैं। लेकिन क्या कर्मों के इन बंधनों से बचना, मुक्ति पाना हमारे खुद के वश में है?

आप जिनसे बहुत प्रेम करते हैं या जिनसे आप बहुत घृणा करते हैं, उन दोनों के साथ ही आपका बहुत सारा कर्म बंधन है। कई बार होता है कि आप किसी इंसान से कभी नहीं मिले, और वो भी कहीं बहुत दूर है, फिर भी आप उससे नफरत करते हैं। निश्चित तौर पर आपका लिथुआनिया की अपेक्षा पाकिस्तान के साथ कर्म बंधन ज्यादा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच इतना सब चल रहा है। तो कर्म इस वजह से नहीं होता, क्योंकि आप जीवन में किसी से संबंध बनाते हैं, बल्कि कर्म इसलिए हैं कि आप अपने भीतर किस तरह जूझ रहे हैं। यह ऐसी चीज है, जो जीवन आपके साथ नहीं कर रहा, बल्कि आप अपने साथ खुद कर रहे हैं। चूंकि यह सिर्फ आपकी करनी है, केवल आपकी करनी, इसलिए इससे मुक्ति पाई जा सकती है। अगर यह भगवान की करनी होती तो आप इसका तोड़ कहां से निकाल पाते? अगर यह भगवान का बनाया फंदा होता, रचयिता का फंदा, तो आप सब कुछ कर लेते, फिर भी इसे तोड़ नहीं पाते। चूंकि इसे आपने बनाया है, इसलिए आप ही इसे तोड़ सकते हैं। आखिर यह आपकी करनी जो है। आप आसपास मौजूद इंसान का इस्तेमाल अपने कर्म को तोड़ने, मुक्ति का कर्म करने या फिर बंधन का कर्म करने जैसे किसी भी रूप में कर सकते हैं। इस तरह से आप लगातार कुछ न कुछ करते रहते हैं, कुछ किए बिना आप रह नहीं सकते, है कि नहीं?

सोते, जागते, शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व ऊर्जा के स्तर पर हर हाल में आपके साथ हमेशा कुछ-न-कुछ होता रहता है, आप इससे छूट नहीं सकते। अगर आप जागरूक हैं तो मुक्ति का कर्म करेंगे, लेकिन अगर आप जागरूक नहीं हैं तो बंधन का कर्म करेंगे। बंधन का कर्म करने के लिए आपका विवाहित होना जरूरी नहीं है। इसे तो आप खुद-ब-खुद भी कर सकते हैं। अपना शेष जीवन एक कमरे में अकेले बैठ कर बिता सकते हैं और वहां बैठे-बैठे भी आप संसार के अनगिनत लोगों के साथ कर्म कर सकते हैं। इसके लिए किसी की जरूरत नहीं, क्योंकि इसमें तो आप जो कुछ भी कर रहे हैं, वो अपने साथ कर रहे हैं। यह किसी और के साथ संसर्ग या संपर्क नहीं है। यह वो है, जो आपके भीतर होता रहता है। आप रेशम के कीड़े की तरह हैं। रेशम तो बहुत ही सुंदर धागा और कपड़ा होता है, लेकिन यह रेशम के उस कीड़े की तरह है, जो अपनी ही मज्जा से वह अपने लिए एक ककूननुमा कैद बुनता है। इस ककून यानी पिटारी का अपना महत्व है, अगर वह कीड़ा किसी दिन उस ककून को नहीं तोड़ेगा तो यह ककून एक दिन उसी का प्राण ले लेगा। लेकिन उस ककून को तोड़ देने पर वह उसमें से एक सुंदर तितली बन कर बाहर निकलता है और उड़ने के लिए स्वतंत्र हो जाता है। बस यही कर्म है। यदि आप उसकी पेचीदगी को समझ लें तो यह आपकी मुक्ति का आधार बन जाता है और फिर कुछ ऐसा घटित होता है, जो बहुत सुंदर होगा। कोई भी कीड़ा यह कल्पना नहीं कर सकता कि तितली होने का मतलब क्या है, है न? लेकिन अगर इस पिटारी के अंदर रहते हुए आपकी मृत्यु हो जाती है तो यह एक बहुत बड़ा बंधन बन जाता है, क्योंकि आप किसी और की बुनी हुई नहीं, बल्कि अपनी ही बुनी हुई पिटारी में दम तोड़ देते हैं।

सपनों पर न करें भरोसा नहीं तो सफलता होगी कोसो दूर

एक समय ज्ञान की खोज में 3 साधु हिमालय पहुंचे। वहां तीनों को जोरों की भूख लगी मगर उन्होंने पाया कि उनके पास 2 ही रोटियां शेष रह गई थीं। तीनों ने तय किया कि वे उस दिन भूखे ही सो जाएंगे। ईश्वर जिसके सपने में आकर रोटी खाने का संकेत देंगे वही ये रोटियां खाएगा। ऐसा निश्चय कर वे तीनों साधु सो गए। आधी रात के समय अचानक तीनों साधु उठे और एक-दूसरे को अपना-अपना सपना सुनाने लगे। पहले साधु ने कहा, मैं सपने में एक अनजानी जगह पर जा पहुंचा। वहां बहुत शांति थी और वहां मुझे ईश्वर के दर्शन हुए। उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने जीवन में सदा त्याग ही किया है इसलिए ये रोटियां तुम्हें ही खानी चाहिए। दूसरे साधु ने भी अपना सपना सुनाना शुरू किया, मैंने सपने में देखा कि भूतकाल में तपस्या करने के कारण मैं एक महात्मा बन गया हूं और अकस्मात मेरी मुलाकात ईश्वर से होती है। सपने में ही वह मुझसे कहते हैं कि लंबे समय तक कठोर तप करने के कारण तुम्हारे पास पुण्य का अथाह भंडार है। इस पुण्य की बदौलत रोटियों पर पहला हक तुम्हारा बनता है, तुम्हारे मित्रों का नहीं। अब तीसरे साधु की बारी आई। उसने साफ शब्दों में कहा, मैंने सपने में कुछ नहीं देखा। न मेरे सपने में ईश्वर आए और न उन्होंने मुझे रोटी खाने को कहा, पर मैंने वे रोटियां खा ली हैं। यह सुनकर दोनों साधु क्रोधित हो गए। उन्होंने तीसरे साधु से कहा, यह निर्णय लेने से पहले तुमने हमें क्यों नहीं उठाया?

तीसरे साधु ने कहा, कैसे उठाता? तुम दोनों तो ईश्वर से बातें करने में लगे हुए थे लेकिन ईश्वर ने मुझे नींद से उठाया और भूखा मरने से बचा लिया। बिल्कुल सही कहा गया है कि जीवन-मरण का प्रश्न हो तो मित्रता निभा पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। व्यक्ति वही काम करता है जिससे उसका जीवन बच सके।

ऊर्जा स्थल के रूप में तैयार किए थे मंदिर

भारत में मंदिर और प्रतिमाओं के निर्माण के पीछे विज्ञान रहा है। यह अकारण नहीं है कि हमने मंदिर बनाए और देवताओं की प्रतिमाएं बनाकर उनका पूजना आरंभ कर दिया। इस विज्ञान को जानने वाले इन प्रतिमाओं के निर्माण को भी तर्कसंगत मानेंगे।

भारत ऐसा देश है, जहां मूर्ति निर्माण का एक पूरा विस्तृत तंत्र था। दूसरी संस्कृतियों ने हमें मूर्ति पूजा करते देखकर गलत समझ लिया कि हम किसी गुड़िया या खिलौने को भगवान मानकर उसकी पूजा करते हैं। ऐसा नहीं है। भारत के लोगों को इस बात का पूरा अहसास और जानकारी है कि यह हम ही हैं, जो रूप और आकार गढ़ते हैं। अगर आप इसे आधुनिक विज्ञान के नजरिए से देखें तो आज हम जानते हैं कि हर चीज में एक जैसी ही ऊर्जा होती है, लेकिन दुनिया में हर चीज एक जैसी नहीं है। यह ऊर्जा पशु के रूप में भी काम कर सकती है और दैवीय रूप में भी। जब मैं दैवीय रूप की बात करता हूं तो मैं आपके बारे में एक अस्तित्व के तौर पर बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि मैं सिर्फ शरीर के संदर्भ में बात कर रहा हूं। अगर हम अपने शरीर के पूरे तंत्र को एक खास तरीके से पहचान लेते हैं, तो यह भौतिक शरीर भी एक दैवीय तत्व में रूपांतरित हो सकता है। उदाहरण के लिए पूर्णिमा और अमावस्या के बीच की रातें एक दूसरे से काफी अलग होती हैं। चूंकि आज कल हम लोग बिजली की रोशनी में रहने के इतने अधिक आदी हो गए हैं कि हमें इन रातों की भिन्नता का अहसास ही नहीं होता। मान लीजिए कि अगर आप खेतों में, फॉर्महाउस में या जंगल में ऐसी जगह रह रहे होते, जहां बिजली न हो तो वहां शायद आपको इन रातों के अंतर का असर पता चलता। तब आप समझ पाते कि हर रात अलग होती है, क्योंकि हर रात अलग समय पर चंद्रमा निकलता है और हर रात उसका आकार भी अलग-अलग होता है। हालांकि चंद्रमा वही है। हर रात उसका अस्तित्व बदलता नहीं हैं। वही एक चंद्रमा अलग-अलग समय पर अलग-अलग प्रभाव डालता है। अपने अंदर जरा-सा बदलाव लाकर यह कितना फर्क डालता है।

इसी तरह से अगर आप अपने शरीर के ऊर्जा तंत्र में जरा-सा बदलाव कर दें तो यह शरीर जो फिलहाल मांस का लोथड़ा है, वह अपने आप में दिव्य अस्तित्व बन सकता है। योग की प्रणाली भी इसी सोच से प्रेरित है। धीरे-धीरे अगर आप इस ओर समुचित ध्यान देंगे और साधना करेंगे तो आप पाएंगे कि यह शरीर सिर्फ अपनी सुरक्षा या संरक्षण और प्रजनन के लिए बेचैन नहीं है, बल्कि इसमें बहुत बड़ा रूपांतरण आया है। यह सिर्फ एक भौतिक शरीर भर नहीं बचा है। हालांकि इसमें भौतिकता होगी, जैविकता होगी, लेकिन तब इसे सिर्फ भौतिक तक सीमित रहने की जरूरत नहीं रहेगी। तब यह बिल्कुल अलग धरातल पर पहुंचकर काम करेगा। तब इसकी मौजूदगी बहुत अलग हो उठेगी। इसी संदर्भ में कई योगियों ने अपने शरीर को खास तरह से रूपांतरित कर दिया और लोगों को अपने शरीर की पूजा करने की इजाजत दे दी, क्योंकि तब तक उनका शरीर एक दिव्य स्वरूप बन चुका था, जबकि वे खुद उस शरीर में नहीं रहे। यह एक प्रतिष्ठित ऊर्जा थी, जो इस तरीके से तैयार की गई थी। अपने यहां मूर्ति निर्माण के पीछे एक पूरा विज्ञान है। जहां एक खास तरह की आकृतियां एक खास तरह के पदार्थ या तत्वों से मिलकर बनाई जाती हैं और उन्हें कुछ खास तरीके से ऊर्जान्वित किया जाता है। अलग-अलग मूर्तियां या प्रतिमाएं अलग-अलग तरीके से बनती हैं और उनमें पूरी तरह से अलग संभावनाएं जगाने के लिए उनमें कुछ खास जगहों पर चक्रों को स्थापित किया जाता है। मूर्ति निर्माण अपने आप में एक विज्ञान है, जिसके जरिए आप ऊर्जा को एक खास तरीके से रूपांतरित करते हैं, ताकि आपके जीवन स्तर की गुणवत्ता बढ़ सके। भारत में मंदिरों के निर्माण पीछे भी एक गहन विज्ञान है। ये मंदिर पूजा के लिए नहीं बनाए गए थे। जब मैं मंदिर की बात करता हूं तो मेरा आशय भारत के पुरातन यानी प्राचीन मंदिरों से होता है। आजकल के मंदिर तो किसी शपिंग कॉम्प्लेक्स की तरह बने हैं। अगर मंदिर के मूलभूत पक्षों को मसलन- प्रतिमाओं का आकार और आकृति, प्रतिमाओं द्वारा धारण की गई मुद्रा, परिक्रमा, गर्भगृह और प्रतिमाओं को प्रतिष्ठित करने के लिए किए गए मंत्रोच्चारण आदि में समुचित समन्वय का ध्यान रखा जाए तो एक शक्तिशाली ऊर्जा तंत्र तैयार हो जाता है। भारतीय परंपरा में कोई आपसे नहीं कहता कि अगर आप मंदिर जा रहे हैं तो आपको पूजा करनी ही होगी, पैसे चढ़ाने होंगे या कोई मन्नत मांगनी होगी। ये सारी चीजें ऐसी हैं, जो बहुत बाद में शुरू हुई हैं।

पारंपरिक रूप से आपको बताया जाता था कि जब आप मंदिर जाएं तो वहां कुछ देर के लिए बैठें, तब वापस आएं। लेकिन अब आप मंदिर जाते हैं और मंदिर के फर्श पर पल भर के लिए अपना आसन टिकाते हैं और चल देते हैं। मंदिर जाने का यह तरीका नहीं है। अगर आप मंदिर जा रहे हैं तो आप कुछ देर बैठिए, क्योंकि वहां खासतौर से एक ऊर्जा क्षेत्र तैयार किया गया है। सुबह अपने कामकाज के लिए बाहर निकलने से पहले आप कुछ देर के लिए मंदिर में जरूर बैठें। यह खुद को जीवन के सकारात्मक स्पंदन से भरने का एक बेहतरीन तरीका है, ताकि जब आप घर से बाहर निकलें तो एक अलग नजरिए के साथ हों।

पुराने जमाने में मंदिर भगवान का स्थान या प्रार्थना स्थल के रूप में नहीं बनाए गए थे। न ही कभी मंदिरों में किसी को प्रार्थना कराने की इजाजत दी गई थी। इन्हें एक ऊर्जा स्थल के रूप में तैयार किया गया था, जहां हर कोई जा सकता था और उस ऊर्जा का इस्तेमाल कर सकता था।

भलाई-बुराई के पार हो जाने से है साधना का संबंध

कहते हैं दुनिया में अच्छाई और बुराई का संतुलन है. ये दोनों सदा ही सम परिमाण हैं. एक बुरा मिटता है, तो अच्छा भी कम होता है. अगर इस संतुलन में कभी बदल होने वाला नहीं है, तो साधना का प्रयोजन क्या है?

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए ओशो कहते हैं प्रश्न महत्वपूर्ण है. साधकों को गहराई से सोचने जैसा है. साधना के संबंध में हमारे मन में यह भ्रांति होती है कि साधना भलाई को बढ़ाने लिए है. साधना का कोई संबंध भलाई को बढ़ाने से नहीं है, न साधना का कोई संबंध बुराई को कम करने से है. साधना का संबंध तो दोनों का अतिक्रमण, दोनों के पार हो जाने से है. साधना न तो अंधेरे को मिटाना चाहती है, न प्रकाश को बढ़ाना चाहती है. साधना तो आपको दोनों का साक्षी बनाना चाहती है. इस जगत में तीन दशाएं हैं. एक बुरे मन की दिशा है, एक अच्छे मन की दशा है और एक दोनों के पार अमन की, नो-माइंड की दशा है. साधना का प्रयोजन है कि अच्छे-बुरे दोनों से आप मुक्त हो जाएं. और जब तक दोनों से मुक्त न होंगे, तब तक मुक्ति की कोई गुंजाइश नहीं.

अगर आप अच्छे को पकड़ लेंगे, तो अच्छे से बंध जाएंगे. बुरे को छोड़ेंगे, बुरे से लड़ेंगे, तो बुरे के जो विपरीत है, उससे बंध जाएंगे. चुनाव है. कुएं से बचेंगे, तो खाई में गिर जाएंगे. लेकिन अगर दोनों कोन चुनें, तो वही परम साधक की खोज है कि कैसे वह घड़ी आ जाए, जब मैं कुछ भी न चुनूं, अकेला मैं ही बधू मेरे ऊपर कुछ भी आरोपितन हो. न मैं बुरे बादलों को अपने ऊपर ओढ़ूं, न भले बादलों को ओढ़ूं. मेरी सब ओढनी समाप्त हो जाए. मैं वही बचूं जो मैं निपट अपने स्वभाव में हूं. यह जो स्वभाव की सहज दशा है, इसे न तो आप अच्छा कह सकते और न बुरा. यह दोनों के पार है, यह दोनों से भिन्न है, यह दोनों के अतीत है. लेकिन साधारणत- साधना से हम सोचते हैं, अच्छा होने की कोशिश. उसके कारण हैं, उस भ्रांति के पीछे लंबा इतिहास है. समाज की आकांक्षा आपको अच्छा बनाने की है, क्योंकि समाज बुरे से पीड़ित होता है, समाज बुरे से परेशान है. इसलिए अच्छा बनाने की कोशिश चलती है. समाज आपको साधना में ले जाना नहीं चाहता. समाज आपको बुरे बंधन से हटाकर अच्छे बंधन में डालना चाहता है.

समाज चाहता भी नहीं कि आप परम स्वतंत्र होजाएं, क्योंकि परम स्वतंत्र व्यक्ति तो समाज का शत्रु जैसा मालूम पड़ेगा. समाज चाहता है, रहें तो आप परतंत्र ही पर समाज जैसा चाहता है, उस ढंग के परतंत्र हों. समाज आपको

अच्छा बनाना चाहता है, ताकि समाज को कोई उच्छृंखलता, कोई अनुशासनहीनता, आपके द्वारा कोई उपद्रव, बगावत, विद्रोह न झेलना पड़े. समाज आपको धार्मिक नहीं बनाना चाहता, ज्यादा से ज्यादा नैतिक बनाना चाहता है. और नीति और धर्म बड़ी अलग बातें हैं. नास्तिक भी नैतिक हो सकता है, और अक्सर जिन्हें हम आस्तिक कहते हैं, उनसे ज्यादा नैतिक होता है. ईश्वर के होने की कोई जरूरत नहीं है आपके अच्छे होने के लिए न मोक्ष की कोई जरूरत है. आपके अच्छे होने के लिए तो केवल एक विवेक की जरूरत है. तो नास्तिक भी अच्छा हो सकता है, नैतिक हो सकता है. जब धन एकत्र करने वाले को कुछ नहीं मिलता, जब धन इकत्र कर-करके कुछ नहीं मिलता, तो धन छोड़कर क्या मिल जाएगा! अगर धन इकत्र करने से कुछ मिलता होता, तो शायद धन छोडने से भी कुछ मिल जाता. जब काम-भोग में डूब-डूबकर कुछ नहीं मिलता, तो उनको छोडने से क्या मिल जाएगा! वह कचरा है, उसको छोड़ कर मोक्ष नहीं मिल जाने वाला है. एक बात ध्यान रखें, जिस चीज से लाभ हो सकता है, उससे हानि हो सकती है. जिससे हानि हो सकती है, उससे लाभ हो सकता है. लेकिन जिस चीज से कोई लाभ ही न होता हो, उससे कोई हानि भी नहीं हो सकती. अगर धन को एकत्र करने से कोई भी लाभ नहीं होता, तो धन के एकत्र करने से कोई हानि भी नहीं हो सकती.

रूसी विदेश मंत्री से मिले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने की अपील की; पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद 40 मिनट चली बात

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। पीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक, लावरोव ने उन्हें यूक्रेन में चल रही शांति वार्ता सहित वहां के हालात के बारे में जानकारी दी। वहीं, पीएम मोदी ने हिंसा खत्म करने की अपील को दोहराया और कहा कि भारत शांति प्रयासों में किसी भी तरह से योगदान करने के लिए तैयार है। रूसी हमले के खिलाफ स्टैंड लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच प्रधानमंत्री और लावरोव की मुलाकात करीब 40 मिनट चली। यह मुलाकात इसलिए भी अहम हो जाती है, क्योंकि हाल ही में ब्रिटेन, चीन, ऑस्ट्रिया, ग्रीस और मेक्सिको सहित 12 देशों के मंत्री और सलाहकार भारत दौरे पर आ चुके हैं, लेकिन मोदी की मुलाकात का कार्यक्रम रूस के विदेश मंत्री और जापान, नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ ही रहा।

15 मार्च से अब तक अमेरिका के डिप्टी NSA सहित चीन, ब्रिटेन, ग्रीस, मेक्सिको और ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री भारत आ चुके हैं, लेकिन रूसी विदेश मंत्री ही PM मोदी से मिल सके।

रूस-यूक्रेन जंग में भारत की भूमिका अहम

माना जा रहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच भारत मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। खुद सर्गेई ने पीएम से मुलाकात से पहले इस सवाल के जवाब में भारत की भूमिका को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। सर्गेई ने मीडिया से कहा- भारत एक महत्वपूर्ण देश है। अगर भारत ऐसी भूमिका निभा सकता है जिसमें वो तार्किक रहते हुए अंतरराष्ट्रीय मसलों को सुलझाने के सुझाव दे सके तो हमें भारत की यह भूमिका मंजूर होगी। दो दिन पहले ही यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने भी जंग रोकने के लिए भारत को रूस के साथ अपने प्रभाव का उपयोग करने की बात कही थी। कुलेबा ने कहा- अगर पीएम मोदी उस भूमिका को निभाने के इच्छुक हैं, तो हम उनके प्रयासों का स्वागत करेंगे।

रुपया-रूबल पेमेंट सिस्टम पर बनेगी बात

रूसी मंत्री का यह दौरा उस समय हो रहा है, जब रूसी तेल के इंपोर्ट को लेकर पश्चिमा देश भारत पर दबाव बना रहे हैं। माना जा रहा है कि भारत रूस से किफायती दरों पर भारी मात्रा में क्रूड ऑयल खरीद सकता है। वहीं, दोनों देशों के बीच बायलैटरल ट्रेड के लिए रुपया-रूबल पेमेंट सिस्टम पर सहमति बन सकती है। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी ह्ल्ल) दलीप सिंह ने अपने भारत यात्रा के दौरान एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा- कोई भी इस बात पर भरोसा नहीं करेगा कि अगर चीन ख्र्ट का उल्लंघन करता है तो रूस भारत की मदद के लिए दौड़ता हुआ आएगा। दलीप ने कहा कि भारत की रूस से ऊर्जा खरीदी फिलहाल अमेरिकी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं है, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत रूस पर अपनी निर्भरता कम करे।

भारत-नेपाल के बीच ट्रेन सेवा शुरू

पीएम मोदी और पीएम देउबा ने हरी झंडी दिखाकर जयनगर से ट्रेन को किया रवाना, दिल्ली के हैदराबाद हाउस में की बैठक

नई दिल्ली

8 सालों के बाद भारत-नेपाल के बीच रेल सेवा आज से शुरू हो गई। इसके साथ ही आज की तारीख दोनों देशों के इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गई। पीएम नरेंद्र मोदी और नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा दिल्ली के हैदराबाद हाउस से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इससे पूर्व दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच भी बातचीत हुई। हालांकि, यात्रियों के लिए रेल सेवा कल यानी 3 अप्रैल से शुरू होगी। रेल सेवा के शुभारंभ के लिए जयनगर कुर्था भाया जनकपुर (34.9 किमी) रेलखंड पर स्थित सभी स्टेशन व हॉल्ट सजधज कर तैयार हैं। स्थानीय व नेपाली नागरिक सभी स्टेशन पर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब इस ट्रेन के परिचालन से दोनों देश के बीच व्यापारी रिश्ता भी मजबूत होगा। जयनगर से इनरबा 4 किमी, एनरबा से खजुली 4.6 किमी, खजुली से महिनाथपुर (हॉल्ट) 6.9 किमी, महिनाथपुर से वेदही 4.4 किमी, वेदही से परवाहा (हॉल्ट) 3.07 किमी, परवाहा से जनकपुर (हॉल्ट) 7.9 किमी व जनकपुर से कुर्था 5.4 किमी है।

2014 में बंद हुई थी भारत-नेपाल रेल सेवा

2014 से जयनगर-जनकपुर के बीच ट्रेनों का परिचालन बंद है। 2014 तक नेपाली नैरो गेज ट्रेन चली, लेकिन ट्रेनों का सफर काफी लंबा होने की वजह से कोयले की खपत ज्यादा होती थी। कोयले से चलने वाली ट्रेन काफी छोटी होती थी। इसकी वजह से लोग खिड़की और दरवाजों पर लटक कर सफर करते थे। ऐसे ही कई कारणों की वजह से ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया था।

लगभग 800 करोड़ की लागत से हुआ निर्माण

भारत-नेपाल के बीच बनी इस रेलवे लाइन के निर्माण में करीब 800 करोड़ रुपए की लागत आई है। जहां जयनगर से बीजलपुरा और बर्दिबास तक 69.08 किलोमीटर परियोजना के अंतर्गत पहले चरण में करीब 34.9 किलोमीटर लंबी जयनगर से जनकपुरधाम-कुर्था रेलखंड पर ट्रेन का परिचालन शुरू हो रहा है। कुर्था से बिजलपुरा तक लगभग 18 किलोमीटर लंबे रेलखंड का भी कार्य पूरा हो चुका है। जबकि नेपाल सरकार बिजलपुरा से बर्दिबास तक 16 किलोमीटर की रेलवे लाइन जल्द ही करवा देगी।

मात्र 12.50 रुपए में पहुंच सकेंगे नेपाल

भारत से नेपाल जाने के लिए अब महज 12.50 रुपए लगेंगे। जयनगर से इनर्वा जाने का किराया 12.50 रुपए, खजुरी जाने के लिए 15.60 रुपए, महिनाथपुर जाने के लिए 21.87 रुपए, वैदेही जाने के लिए 28.125 रुपए, परवाहा जाने के लिए 34 रुपए और जनकपुर जाने के लिए 43.75 रुपए और कुर्था जाने के लिए 56.25 रुपए लगेंगे।

श्रीलंका में इमरजेंसी: कोलंबो में सेना तैनात, कड़ी सुरक्षा के बीच खुली दुकानें; ईंधन की किल्लत दूर करने भारत ने भेजा 40,000 टन डीजल

कोलंबो

श्रीलंका में गहराती आर्थिक समस्या के बीच राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने शुक्रवार को आपातकाल का ऐलान कर दिया। आदेश में कहा गया है कि देश की सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति के रखरखाव के लिए ये फैसला लिया गया है। इसके बाद पूरे देश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शनिवार को राजधानी कोलंबो में सेना की तैनाती के बीच दुकानें खोली गईं, ताकि लोग जरूरी सामान खरीद सकें। इधर, फ्यूल क्राइसिस से जूझते श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने जो ऑयल

टैंकर भेजा था, वह शनिवार को श्रीलंका पहुंच गया है। शाम तक इससे फ्यूल डिस्ट्रीब्यूशन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद फ्यूल क्राइसिस से जूझते लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, भारत ने श्रीलंका को 1 बिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन दी है। इसी के तहत 40,000 टन डीजल ले जाने वाला एक जहाज श्रीलंका पहुंचा है। इमरजेंसी के ऐलान के बाद सेना संदिग्धों को बिना किसी मुकदमे के गिरफ्तार कर सकती है और लंबे समय तक हिरासत में रख सकती है। राजपक्षे की सरकार को समर्थन दे रही 11 पार्टियों ने कैबिनेट भंग कर अंतरिम सरकार के गठन की मांग की है। इनका कहना है कि हालिया कैबिनेट बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हुई है। इससे पहले गुरुवार देर रात हजारों लोगों ने राष?ट्रपति राजपक्षे के निवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन और पथराव किया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस हिंसक टकराव में कम से कम 5 पुलिसकर्मियों समेत 10 लोग घायल हुए। हिंसा के आरोप में 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश में फ्यूल और गैस की कमी हो गई है। हालात पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों को कई घंटों तक लाइन में लगाना पड़ रहा है। एजुकेशनल बोर्ड के पास कागज और स्याही खत्म हो गई है, जिसके बाद परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर में 25 रोहिंग्या हिरासत में, पुलिस ने होल्डिंग सेंटर भेजा

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में 25 रोहिंग्या मुसलमानों को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन रोहिंग्या मुसलमानों को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया और उनके दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। फिलहाल इन्हें कठुआ जिले के हीरानगर कस्बे में होल्डिंग सेंटर में भेजा गया है। इससे पहले, पिछले साल 6 मार्च को, 169 अवैध अप्रवासी रोहिंग्याओं को होल्डिंग सेंटर में भेजा गया था।

अफगानिस्तान में बलास्ट; 12 की मौत, 25 से ज्यादा घायल

काबलु। अफगानिस्तान के पश्चिमी प्रांत हेरात में शुक्रवार शाम को एक बड़ा धमाका हुआ। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 25 से ज्यादा घायल हो गए। अफगानी न्यूज एजेंसी टोलो न्यूज के मुताबिक, विस्फोटक एक खेल के मैदान में जमीन के नीचे रखा गया था, जहां बच्चे खेल रहे थे। धमाका की जिम्मेदारी अब तक किसी ने नहीं ली है।

धनबाद जज मौत मामला; CBI को आरोपियों की पूरी चैट देने के लिए वॉट्सऐप तैयार

धनबाद। धनबाद जज मौत मामले में वॉट्सऐप कंपनी आरोपियों की चैट की पूरी डिटेल सीबीआई को देने के लिए तैयार हो गई है। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। हाईकोर्ट के जस्टिस डा. रविरंजन और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की बेंच को वॉट्सऐप की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान में सियासी घमासान

अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले इस्लामाबाद में रेड अलर्ट; इमरान बोले- रविवार को बड़ा खुलासा करूंगा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार का घर जाना करीब-करीब तय हो गया है। हालांकि, इमरान और उनके मंत्री लगातार यही दावा कर रहे हैं कि सरकार को कोई खतरा नहीं है। इमरान ने एक इंटरव्यू में फिर नया दावा किया। कहा- मुल्क और दुनिया तैयार रहे। मैं रविवार को बड़ा खुलासा करूंगा। दूसरी तरफ, अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले नेशनल असेंबली की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी से हर सांसद की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं इस्लामाबाद में भी सुरक्षा लिहाज से रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। विपक्ष के पीएम पद के उम्मीदवार शहबाज शरीफ की सुरक्षा में पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के लिए विपक्ष ने PTI के असंतुष्ट सांसदों के वोट नहीं डलवाने का फैसला किया है। विपक्ष के मुताबिक, उनके पास प्रस्ताव पारित करवाने के लिए पहले से ही जरूरी नंबर मौजूद हैं, इसलिए जब तक जरूरत नहीं होगी तब तक PTI के बागी सांसद वोट नहीं डालेंगे। मतदान की प्रक्रिया को लेकर सवालों से बचने के लिए ये फैसला किया गया है।

शहबाज को प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे

इमरान खान के बेहद करीबी और कैबिनेट मंत्री फवाद चौधरी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ पर तंज कसा है। चौधरी ने कहा- सपने देखने का हक तो हर किसी को है। अगर शहबाज शरीफ भी वजीर-ए-आजम बनने का ख्वाब पालकर बैठे हैं तो हम क्या कह सकते हैं। वो इतना जरूर ध्यान रखें हम किसी भी सूरत में उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे। आप देखेंगे कि चीजें कितनी तेजी से बदलती हैं।

दुल्हन बनने की चाह कर रहीं पूरी

इन्हें परफेक्ट ब्राइडल ड्रेस और फोटोशूट चाहिए मगर दूल्हा नहीं

कल्पना कीजिए एक शादी कि जिसमें न दूल्हा है और न ही बाराती, न बैंड-बाजा न शादी की रस्में हो तो सिर्फ अपनी पंसद का लहंगा और ज्वैलरी पहने दुल्हन, उसकी सहेलियां और परिवार के लोग, खाना और खूब सारी फोटो। इस शादी में दुल्हन खुद से ही शादी कर रही है। भारत में इसे सोचना भले ही आपके लिए मुश्किल हो मगर जापान की लड़कियां 10 से भी ज्यादा वर्षों से बड़ी खुशी के साथ सोलो मैरिज करती आ रही हैं। वह अपनी पसंद की वेडिंग ड्रेस पहनती हैं, रिंग डिजाइन करवाती हैं और खुद के साथ रहने का वादा करती हैं। उन्हें अपनी लाइफ में किसी भी पार्टनर की जरूरत नहीं है। वह जिंदगीभर अकेले रहने की कसम खा चुकी हैं। कंपनियां कराती हैं सोलो वेडिंग, 2 लाख रुपए आता है खर्च।

कर्नाटक में हिंदुत्व पॉलिटिक्स:

राज्य में 4 महीने में बीफ-हिजाब जैसी 6 चीजें बैन इसके जरिए भाजपा का पूरे साउथ पर टारगेट

नई दिल्ली

कर्नाटक में बैन पॉलिटिक्स खत्म होती नहीं दिख रही। बीफ बैन करने से शुरू हुई इस पॉलिटिक्स में मंदिरों के आसपास मुस्लिम व्यापारियों की दुकानें ही नहीं, बल्कि उनका मुख्य व्यापार हलाल मीट भी शामिल हो गया है। पिछले चार महीनों में लिस्ट को खंगालें तो 6 चीजों पर हिंदुत्ववादी संगठन बैन की मांग कर चुके हैं। जानकारों की मानें तो यह प्लानिंग चुनावी साल 2023-24 ही नहीं, बल्कि उससे आगे की है। आइए बताते हैं कि हिंदुत्ववादी संगठन अपने मिशन में किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं। उससे पहले इस सवाल का जवाब देकर पोल में पार्टिसिपेट कर सकते हैं। कर्नाटक में 2018 के चुनाव से पहले भी उत्तर में हिंदुत्व का प्रचंड चेहरा बने फायर ब्रांड नेता को स्टार प्रचारक की भूमिका सौंपी गई थी। मई 2018 में 4 दिनों के कर्नाटक प्रवास के दौरान इन्होंने छत्रपति शिवाजी की जगह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को कांग्रेस का एजेंडा करार दिया था। खुलेआम कांग्रेस को जिहादियों की समर्थक पार्टी कहा था। यह कोई और नहीं उत्तर प्रदेश के ष्टरू योगी आदित्यनाथ थे। क्क में कई चुनावों से मुद्दा बनी अयोध्या का जिक्र करने से योगी यहां भी नहीं चूके। उन्होंने कहा कि अगर अयोध्या के राम और कर्नाटक के हनुमान न मिलते तो रामराज की कल्पना संभव नहीं थी। दक्षिण में योगी की हुंकार से साफ था कि पार्टी उत्तर के चुनावी राग और रंग दोनों को दक्षिण में भी भरने की कोशिश कर रही है।

पहली वजह: कर्नाटक के एक सीनियर जर्नलिस्ट कहते हैं, इससे ज्यादा यह सवाल सटीक होगा कि आखिर बैन की मांग क्यों उठ रही है? तो इसका सीधा जवाब होगा- यह तैयारी 2023 और 2024 की हो रही है। इसलिए तब तक इस तरह के विवाद हर दूसरे चौथे दिन उठते ही रहेंगे। आप क्च्छ्वक्क की मजबूरी भी समझिए कि अब पार्टी के पास येदियुरप्पा जैसा मास अपील वाला नेता नहीं है। CM बसवराज बोम्मई भले ही लिंगायत समुदाय के हों, लेकिन वे क्च्छ्वक्क के लिए येदियुरप्पा साबित नहीं हो सकते। दूसरी बात 2018 के चुनाव में फ्रैक्चर्ड जनादेश आया। भले ही क्च्छ्वक्क ने सरकार बना ली, लेकिन मन में आगे के लिए तो शंका है ही।

दूसरी वजह: वे आगे कहते हैं, BJP के लिए कर्नाटक सिर्फ एक राज्य नहीं है, बल्कि दक्षिण का द्वार भी है। केरल में इनकी बहुत कोशिशों के बाद भी क्च्छ्वक्क के लिए उर्वर जमीन तैयार नहीं हो पाई, लेकिन कर्नाटक में क्च्छ्वक्क स्टाइल पॉलिटिक्स के लिए स्कोप है। यानी हिंदुत्व की राजनीति के लिए यहां उर्वर जमीन है। लिहाजा राज्य जीतने के साथ यह 2024 ही नहीं बल्कि आगे भी दक्षिण में BJP के लिए जमीन तैयार करने की प्रयोगशाला का काम करेगा।

तीसरी वजह: 5 महीने पहले कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों- सिंदगी और हनागन के लिए उपचुनाव हुए थे। सिंदगी से तो क्च्छ्वक्क प्रत्याशी ने सीट निकाल ली, लेकिन बसवराज बोम्मई के गृह नगर हावेली की हनागन सीट से पार्टी प्रत्याशी की हार हुई थी।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

FIH प्रो लीग : भारत अब जर्मनी के खिलाफ 'डबल हेडर' 14-15 अप्रैल को खेलेगा

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी पुरूष प्रो लीग में भारत और जर्मनी के बीच 'डबल हेडर' (दो मैच) मुकाबले शनिवार को पुनर्निर्धारित कर 14 और 15 अप्रैल को तय किए गए। पिछले महीने जर्मनी के दल में कोविड-19 मामले सामने आने के बाद इन्हें स्थगित कर दिया गया था। यह घोषणा हॉकी इंडिया को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ से मिली पुष्टि के एक दिन बाद की गई। भारतीय पुरूष टीम और जर्मनी को पहले 12 और 13 मार्च को एक दूसरे से खेलना था लेकिन जर्मनी टीम के कई सदस्यों के कोविड-19 पॉजिटिव आने के बाद इन्हें स्थगित कर दिया गया। ये मैच भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पिछली बार दोनों टीमें टोक्यो ओलिम्पिक खेलों के कांस्य पदक मैच के दौरान एक दूसरे के आमने सामने हुई थीं जिसमें भारत ने रोमांचक मैच में 5-4 से जीत हासिल कर 41 साल के बाद ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल किया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा- इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय हॉकी प्रशंसकों में दोनों टीमों को खेलते देखने के लिए काफी उत्साह है क्योंकि दोनों टीमें टोक्यो ओलिम्पिक खेल 2020 के कांस्य पदक में एक दूसरे के सामने थीं।

आंद्रे रसेल की पारी देखकर बोले शाहरुख खान, बहुत समय हो गया गेंद को इतना ऊंचा उड़ते देखे हुए

नई दिल्ली। आंद्रे रसेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में अपनी दूसरी जीत दर्ज करने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दो बार की चैंपियन टीम 51/4 पर संघर्ष कर रही थी लेकिन रसेल ने पंजाब किंग्स की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 31 गेंदों पर 2 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 70 रन की पारी खेली और 14.3 ओवर में ही 138 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। केकेआर के सह-मालिक और बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान रसेल के धमाकेदार प्रदर्शन से काफी प्रभावित हुए और उन्होंने ऑलराउंडर की भारी प्रशंसा की। खेल के बाद ट्विटर पर शाहरुख ने रसेल की बड़ी हिटिंग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत समय हो गया गेंद को इतना ऊंचा उड़ते देखे हुए। शाहरूख ने कहा कि मेरे दोस्त रसेल आपका स्वागत है, कब से गेंद को इतनी ऊंची उड़ाते हुई नहीं देखा है !!! जब आप गेंद को हिट करते हो तो उन्हें रोक पाना बहुत मुश्किल होता है। इस बीच केकेआर ने अब अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल कर ली है और चार अंकों के साथ टीम स्टैंडिंग में शीर्ष पर है। रसेल के अलावा उमेश यादव भी खेल में चमके। उन्होंने चार विकेट लिए और पंजाब की बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ तोड़ दी। 34 वर्षीय को उनके शानदार स्पेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

केन विलियमसन के कैच को लेकर नहीं थमा विवाद : सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL गवर्निंग काउंसिल के सामने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के साथ मैच 29 मार्च को खेले गए मैच के दौरान कप्तान केन विलियमसन को थर्ड अंपायर के कैच देने पर शिकायत दर्ज कराई है। देवदत्त पड्डिकल की ओर से पकड़े गए इस कैच पर थर्ड अंपायर के डिसीजन को लेकर शुरू से ही विवाद रहा था। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हार का सामना करना पड़ा था।

मैच के बाद कोच ने जताई थी नाराजगी

थर्ड अंपायर के डिसीजन को लेकर टीम के कोच टॉम मूडी ने मैच के बाद नाराजगी जताई थी। उन्होंने मैच के बाद कहा था कि

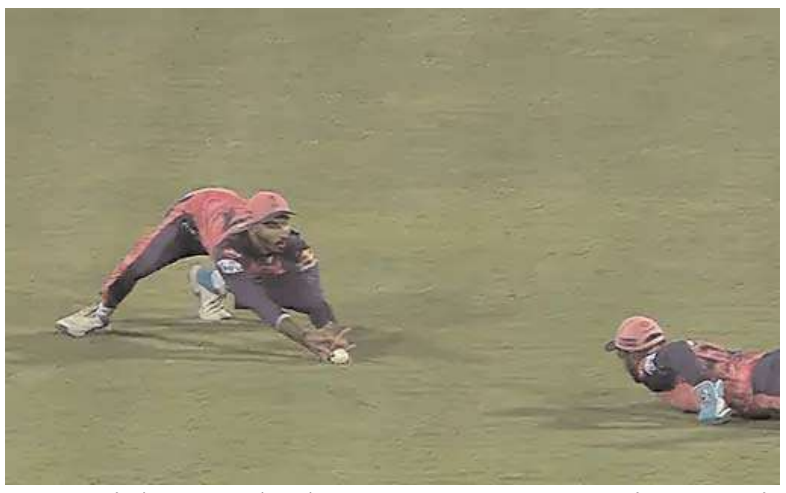

थर्ड अंपायर के फैसले से हम हैरान हैं। टीवी रीप्ले पर देखने से पता चलता है गेंद पहले जमीन से टकराई थी। उसके बाद प्लेयर के हाथ में गई थी।

क्या था मामला

दरअसल मंगलवार को राजस्थान और हैदराबाद के बीच मंगलवार को खेले गए मुकाबले में लपके गए एक कैच को लेकर विवाद था। हैदराबाद की पारी का दूसरा ओवर प्रसिद्ध कृष्णा करने आए थे। ओवर की चौथी गेंद विलियमसन के बल्ले का किनारा लेकर सीधा विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथ में गई, लेकिन संजू से गेंद छिटक गई। संजू से छिटकी गेंद को फर्स्ट स्लिप में खड़े देवदत्त पड्डिकल ने लपक लिया। ग्राउंड अंपायर को समझ नहीं आया कि ये कैच पकड़ा गया है या फिर बॉल ग्राउंड पर लगी है। अंपायर ने विलियमसन के आउट होने का सॉफ्ट सिग्नल दिया, लेकिन कंफर्मेशन के लिए थर्ड अंपायर से चेक करने की रिक्वेस्ट की। थर्ड अंपायर ने भी हर एंगल से रिप्ले देखा और विलियमसन को आउट दे दिया था।

पहले फ्रेम में ही नॉटआउट नजर आ रहे थे विलियमसन

वीडियो के पहले फ्रेम से ही साफ नजर आ रहा था कि गेंद ग्राउंड को टच कर रही है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इस डिसीजन को लेकर कमेंट किया और आउट या नॉटआउट होने को लेकर बहस छिड़ गई। हैदराबाद के लिए विलियमसन का विकेट बहुत मायने रखता था। वह अपनी बल्लेबाजी से किसी भी मैच का पासा पलट सकते थे। अगर उन्हें नॉटआउट करार दिया जाता तो मैच बदल भी सकता था। उनके आउट होने के बाद राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन और अभिषेक वर्मा भी जल्दी आउट हो गए थे।

फीफा वर्ल्ड कप के लिए ड्रॉ जारी

मेसी-लेवानडॉस्की की ग्रुप मैच में होगी भिड़ंत, एक ही ग्रुप में स्पेन और जर्मनी

नई दिल्ली

पहली बार कतर में हो रहे वर्ल्ड कप के लिए ड्रॉ घोषित कर दिया गया है। वर्ल्ड कप 21 नवंबर से 18 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। पहली बार किसी खाड़ी देश में वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। इस बार वर्ल्ड कप में 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक 29 देशों ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। वहीं 3 टीमों के लिए फैसला होना बाकी है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल ने वर्ल्ड कप के लिए ड्रॉ जारी कर दिया है।

इटली और रूस नहीं होंगे वर्ल्ड कप का हिस्सा

32 टीमों को 8 ग्रुपों में बांटा गया है। यूक्रेन पर हमला करने की वजह से रूस पर बैन लगा दिया गया है, ऐसे में रूस इस बार हिस्सा नहीं ले पाएगा। वहीं चार की विजेता टीम इटली भी वर्ल्ड कप से बाहर हो चुकी है। उसे यूरोपीय क्वॉलिफाइंग प्रतियोगिता में नॉर्थ मेसेडोनिया ने हरा कर बाहर का रास्ता दिखाया।

स्पेन और जर्मनी एक ही ग्रुप मे

2010 वर्ल्ड कप की विजेता स्पेन और 2014 की चैंपियन जर्मनी की टीम एक ही ग्रुप में हैं। दोनों टीमें ग्रुप ई में हैं। इस ग्रुप में एशिया की टॉप टीमों में शामिल जापान भी है। वहीं मेजबान कतर, इक्वाडोर, सेनेगर और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप ए में शामिल हैं। कतर पहली बार वर्ल्ड कप में भाग ले रहा है। मेजबान टीम होने की वजह से ही उसे यह मौका मिला है।

इंग्लैंड और अमेरिका एक ही ग्रुप में

ग्रुप बी में इंग्लैंड के साथ अमेरिका और इरान है। ग्रुप की चौथी टीम का फैसला यूरो प्ले ऑफ के आधार पर होगा। वेल्स, स्कॉटलैंड या यूक्रेन में से कोई एक टीम इस ग्रुप में शामिल हो सकती है।

डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस और डेनमार्क एक ही ग्रुप में

डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस ग्रुप डी में है। इस ग्रुप में डेनमार्क और तीसरी टीम ट्यूनिशिया है, जबकि चौथी टीम का फैसला होना बाकी है। ऑस्ट्रेलिया, एशिया और पेरू में से किसी एक टीम को ग्रुप में एंट्री मिलेगी।

ग्रुप मैच में मेसी और लवानडोस्को की टीम होगी भिड़ंत

इस वर्ल्ड कप के ग्रुप मुकाबले में लियोनेल मेसी और रोबर्ट लेवानडोस्की की भी भिड़ंत होगी। मेसी की अर्जेंटीना और लेवानडोस्की की पोलैंड ग्रुप सी में है। मेसी ने लेवानडोस्की को मात देकर बैलन डी ओर का खिताब जीता था।

रोनाल्डो की टीम ग्रुप एच

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ग्रुप एच में है। इस ग्रुप में घाना, उरुग्वे और दक्षिण कोरिया हैं।

मियामी ओपन

कैस्पर रूड और अल्काराज पुरूष वर्ग फाइनल में भिड़ेंगे

मियामी गार्डन्स

गैर वरीय नाओमी ओसाका मियामी ओपन महिला एकल फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से भिड़ेंगी जबकि पुरूष वर्ग के फाइनल में कैस्पर रूड का सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। ओसाका एक साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला फाइनल खेलेंगी। ओसाका ने फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद कहा- काफी लोग कह रहे हैं कि तुम वापस आ गई हो। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं छोड़कर गई थी। मैं ऐसी ही खिलाड़ी रही हूं, बस मैं मैच नहीं खेल रही थी। एशले बार्टी के 2019 में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने से पहले ओसाका पहले नंबर पर थी। बार्टी तब से नंबर एक स्थान पर बनी हुई थीं लेकिन उन्होंने पिछले हफ्ते संन्यास लेने का फैसला किया। इससे स्वियातेक सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगी। छठे वरीय रूड ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-4, 6-1 से हराकर रविवार को होने वाले पुरूष वर्ग के फाइनल में जगह बनाई जिसमें वह 14वें नंबर के अल्काराज के सामने होंगे। अल्काराज ने सेमीफाइनल में 8वें वरीय हबर्ट हुरकाज को 7-6 7-6 से शिकस्त दी।

पेरिस ओलंपिक : पुरूषों की मुक्केबाजी स्पर्धायें कम हुईं, भारोत्तोलन और निशानेबाजी में भी बदलाव

नई दिल्ली

लैंगिक समानता हासिल करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये महिलाओं की मुक्केबाजी स्पर्धाओं की संख्या को बढ़ा दिया है जो संशोधित सूची के हिसाब से पांच से बढ़कर छह हो गई हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष नरिंदर बत्रा द्वारा साझा किए अपडेट के अनुसार पिछले टोक्यो ओलंपिक में पुरूष मुक्केबाजों की आठ स्पर्धायें थीं जबकि महिलाओं की संख्या पांच थी, लेकिन अब पेरिस

ओलंपिक में पुरूष मुक्केबाजों के लिये सात और महिला मुक्केबाजों के लिये छह स्पर्धायें होंगी। पुरूषों के लिये नये वर्ग 51 किग्रा, 57 किग्रा, 63.5 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा, 92 किग्रा और +92 किग्रा हैं। महिलाओं के लिए नए वजन वर्ग में 50 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा और 75 किग्रा शामिल हैं। महिलाओं के वजन वर्गों को बढ़ाना रियो ओलंपिक के बाद से जारी है जिसमें केवल तीन वर्ग थे जिन्हें टोक्यो ओलंपिक में बढ़ाकर पांच कर दिया गया। निशानेबाजी में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा की जगह स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा ने ले ली है।

2011 फाइनल पर बोले विराट कोहली- उस रात दबाव में चलना अब तक याद है

मुंबई

भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2011 विश्व कप फाइनल जीत को 11 साल पूरी होने पर याद किया। श्रीलंका के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में हुए मुकाबले में वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर सस्ते में पवेलियन लौट गए थे, विराट जब क्रीज पर आ रहे थे तब वह भयंकर दबाव में थे। कोहली ने उक्त मैच में 49 गेंदों पर 35 रन बनाए थे। उन्होंने गौतम गंभीर (97) के साथ मिलर भारतीय पारी को संभाला था। ऐतिहासिक जीत के ठीक 11 साल बाद, कोहली ने रन चेज में लडखड़ाते हुए भारत के साथ बल्लेबाजी करने के लिए बाहर निकलने की भावना सुनाई। कोहली बोले- मुझे बल्लेबाजी करने के लिए चलने का दबाव याद है। 20 रन पर 2 विकेट गिर चुके थे। सचिन और सहवाग

दोनों आउट हो गए। मैं अंदर जा रहा था ... सचिन पाजी ने मेरे साथ एक संक्षिप्त बातचीत की जब मैं अंदर गया। उन्होंने कहा- एक साझेदारी बनाओ। मैंने गौतम (गंभीर) के साथ 90 रन की साझेदारी की। मैंने 35 रन बनाए जो मेरे क्रिकेट करियर में सबसे मूल्यवान हैं।

कोहली बोले- मुझे बहुत खुशी हुई कि मैं टीम को पटरी पर लाने का एक हिस्सा बना। मैं जो कुछ भी कर सकता था उसमें योगदान दिया। विश्व कप जीतने का रोमांच अविश्वसनीय था। वंदे मातरम, और जो जीता वही सिकंदर लोग गा रहे थे। यह वास्तविक क्षण था, जो आज तक हमारी यादों में ताजा है। कोहली ने इस दौरान तेंदुलकर को भावी विदाई देने पर भी बात की। उन्होंने कहा- तेंदुलकर ने 21 साल तक भारतीय क्रिकेट की सेवा की थी। उस रात हमने उन्हें कंधों पर उठाकर उनका शुक्रिया अदा किया। मुझे लगता है कि हम सभी ने भारतीय क्रिकेट में योगदान देने की कोशिश की लेकिन उनकी उपलब्धियां महान हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

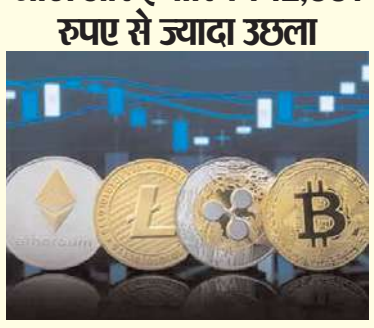

क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में आज तेजी, बिटकॉइन 35.92 लाख और इथीरियम 12,601 रुपए से ज्यादा उछला

आज यानी शनिवार को प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। बिटकॉइन सुबह 10 बजे 2.56 फीसदी की बढ़त के साथ 35.92 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसकी कीमत में 89,558 रुपए (24 घंटे में) से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इथीरियम की बात करें तो बीते 24 घंटों में इसकी कीमत में 4.94 फीसदी की तेजी देखी गई है। यह 12,601 रुपए बढ़कर 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है।
टेदर और USD कॉइन में गिरावट
टेदर और स्ठ कॉइन में आज गिरावट देखने को मिल रही है। टेदर की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमत में 1.18 फीसदी की गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद ये 77.40 रुपए पर आ गया है। वहीं स्ठ कॉइन में भी 1.50 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

नए फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत : इस बार न बनें फाइनेंशियल अप्रैल फूल, आज से ही शुरू करें इस साल के लिए इन्वेस्टमेंट प्लानिंग

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की शुरुआत हो चुकी है। अप्रैल में अप्रैल फूल बनाने का चलन है, लेकिन नए फाइनेंशियल ईयर में आपको फाइनेंशियल फूल बनने से बचना चाहिए। रूंगटा सिक्योरिटीज में CFP और पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट हर्षवर्धन रूंगटा का कहना है कि इस बार आपको अप्रैल से ही फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू करनी चाहिए। जल्दी शुरुआत से आप न केवल टैक्स बचा सकते हैं, बल्कि अपने फाइनेंशियल गोल भी पूरे कर सकते हैं।
जोखिम लेना भी है जरूरी:- अक्सर लोग जोखिम से बचने के लिए बाजार से जुड़े ऑप्शन्स में पैसा लगाने से बचते हैं। भले ही इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम जैसे ऑप्शन PPF, टैक्स सेविंग स्न्ष्ठ या अन्य पोस्ट ऑफिस सेविंग स्कीम्स से अधिक रिटर्न देते हैं, लेकिन पुरानी सोच वाले निवेशक इससे दूरी बनाए रखते हैं। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत ELSS पर मिलने वाले टैक्स लाभ के अलावा, यह विकल्प लंबी अवधि में महंगाई दर से ज्यादा रिटर्न देते हैं।
जितनी जल्दी हो सके निवेश करें:- टैक्स चुकाने वाले लोगों की एक और बड़ी गलती है, वह है हमेशा साल के अंत में ही टैक्स बचाने के लिए निवेश के विकल्प तलाशना। आखिरी टाइम में टैक्स प्लानिंग की इस भागदौड़ के बीच कुछ गलत फैसले हो सकते हैं, जिससे कम रिटर्न देने वाले निवेश ऑप्शन्स चुन लेने की संभावना ज्यादा रहेगी। अंतिम समय में जल्दबाजी से या तो आप समय पर अपने निवेश के प्रूफ जमा करने से चूक सकते हैं या फिर भुगतान की मंजूरी मिलने में देरी हो सकती है, जिससे टैक्स चुकाने वाले व्यक्ति को वास्तव में टैक्स बचाने का फायदा ना मिलने की आशंका बढ़ जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय यात्रा में छूट से लक्जरी रिट्रीट के लिए बढ़ी पूछताछ

नई दिल्ली

दो साल पहले, इसी महीने देश में महामारी की शुरुआत हुई थी। भारत ने विदेशी यात्रियों के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए थे और देश भर में लॉकडाउन लगाया गया था। दुनिया के अन्य हिस्से की तरह ही कोविड-19 ने भारत में पर्यटन और होटल क्षेत्र के कारोबार पर बुरा असर डाला। लेकिन वायरस के डर की वजह से शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य (वेलनेस) के क्षेत्र में नए सिरे से दिलचस्पी पैदा हुई जिसे अब कई लक्जरी रिट्रीट में देने की कोशिश की जा रही है। इस तरह लक्जरी रिट्रीट ने अब न केवल महामारी से प्रभावित उद्योग की चुनौतियां खत्म कर दी हैं बल्कि नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बहाली से भी इसकी मांग में वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। हिमालय में ऋषिकेश के पास आनंदा एक ऐसा ही लक्जरी रिट्रीट, स्पा रिजॉर्ट है जहां दिसंबर 2021 में फिर से पर्यटकों के लिए वीजा जारी करने के बाद विदेशी यात्रियों ने काफी दिलचस्पी दिखाई है। आनंदा की मालिक कंपनी आईएचएचआर हॉस्पिटैलिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) महेश नटराजन कहते हैं, %आनंदा में आने वाले विभिन्न देशों के आने हमारे कई नियमित मेहमानों ने हमें लिखा है कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में उन्होंने खालीपन का अनुभव किया और वे अपने सालाना वेलनेस कार्यक्रम को जारी नहीं रख सके।% उन्होंने कहा कि उनके लक्जरी ब्रांड को लेकर हाल ही में विदेश से कई लोग पूछताछ कर रहे हैं, विशेष रूप से इसके पंचकर्म (एक आयुर्वेदिक तकनीक) और ध्यान-आधारित कार्यक्रमों को लेकर पूछताछ की जा रही है और इस तरह के चुनौतीपूर्ण समय के बाद शारीरिक और भावनात्मक कायाकल्प की दोहरी जरूरत महसूस की जा रही है। वह कहते हैं, %मार्च के अंत से, हम अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य क्षेत्रों के ग्राहकों से काफी मांग की उम्मीद कर रहे हैं। अरैया होटल्स ऐंड रिजॉर्ट्स के निदेशक अमृता नायर बताती हैं, %मुंबई जैसे वित्तीय केंद्र में पहले से ही विदेशी कारोबार से जुड़ी यात्रा की मांग में तेजी दिख रही है। हालांकि, उनका मानना है कि छुट्टियों से जुड़े पर्यटन पर वास्तविक प्रभाव नवंबर से फरवरी तक सर्दियों के मौसम में देखा जाएगा।% भारत में तीन रिजॉर्ट्स के अलावा यूरोपीय देशों में अरैया माल्टा के तहत परिचालन करने वाले नायर कहती हैं, %अमेरिका जैसे बाजारों में निश्चित तौर पर सांस्कृतिक, विरासत, वेलनेस और रोमांच वाली जगहों के चलते भारत के लिए लोगों की दिलचस्पी है। मैं देख रही हूं कि अमेरिका से मेहमान यूरोप के होटल कारोबार में वापस आ रहे हैं।% निरामय वेलनेस रिट्रीट्स के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) एलन मचाडो का कहना है कि उनके विदेशी ग्राहक भी भारत लौटने की इच्छा दर्शा रहे हैं विशेष रूप से ब्रिटेन, अमेरिका और पश्चिम एशिया के क्लाइंट। हालांकि यूक्रेन में युद्ध के चलते, सीआईएस (स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल) देशों में लोगों की दिलचस्पी कम हो गई है। मचाडो कहते हैं, %अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के बाद हम जुलाई के बाद लोगों के आने की रफ्तार देखेंगे और खासतौर पर इस वित्त वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही में सुधार दिखेगा।% निरामाय वेलनेस रिट्रीट (केरल में चार, बेंगलूरु में एक और कोहिमा में एक) और निजी आवास (गोवा, केरल और कर्नाटक में) चलाती हैं। इससे पहले इसके 80 प्रतिशत यात्री विदेश से आते थे। कोविड के बाद के दौर में घरेलू ग्राहकों की तादाद 90 प्रतिशत से अधिक हो गई थी जो कीमत को लेकर बेहद संवेदनशील होते हैं।

रूस से 3-4 दिनों की आपूर्ति का तेल खरीदा : वित्त मंत्री बोलीं-

तेल खरीदारी आगे भी जारी रहेगी

अगर फ्यूल डिस्काउंट में उपलब्ध तो क्यों नहीं खरीदना चाहिए?

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने रूस से डिस्काउंट में कच्चा तेल खरीदा है और वह आगे भी खरीदारी जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि भारत ने रूस से 3-4 दिनों की आपूर्ति का तेल खरीदा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और ज्यादा तेल खरीदने के प्लान पर काम कर रहे हैं। रूस ने भारत को 35 डॉलर प्रति बैरल की छूट के साथ उरल्स ग्रेड ऑयल खरीदने का ऑफर दिया है। सीतारमण ने कहा भारत के लिए एक अच्छी डील की तलाश करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, राष्ट्र हित और ऊर्जा सुरक्षा सबसे पहले है और अगर फ्यूल डिस्काउंट में उपलब्ध है तो इसे क्यों नहीं खरीदना चाहिए? इससे कुछ दिन पहले संसद में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा था कि भारत रूस से डिस्काउंट वाला कच्चा तेल खरीदने पर विचार कर रहा है। रूस से सस्ता तेल खरीदने पर भारत को फायदा होगा जो महंगे कच्चे तेल से परेशान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत की पर डे ऑयल डिमांड 5.15 मिलियन के करीब है। 2021 में ये 4.76 मिलियन बैरल थी और 2020 में 4.51 मिलियन बैरल। वहीं 2018 में डिमांड 4.98 मिलियन बीपीडी और 2019 में 4.99 मिलियन बीपीडी।

क्रूड की 85 फीसदी आपूर्ति के लिए भारत अन्य देशों पर निर्भर

भारत क्रूड ऑयल की 85 फीसदी से ज्यादा आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर निर्भर है। रूस के तेल एक्सपोर्ट का लगभग आधा- करीब 25 लाख बैरल प्रति दिन - जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, पोलैंड, फिनलैंड, लिथुआनिया, ग्रीस, रोमानिया और बुल्गारिया सहित यूरोपीय देशों को भेजा जाता है। 2021 में भारत ने रूस से प्रति दिन 43,400 बैरल तेल का इंपोर्ट किया। ये भारत के तेल इंपोर्ट का केवल 1 फीसदी है।

140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था कच्चा तेल

रूस-यूक्रेन जंग की वजह से कच्चे तेल के दाम इंटरनेशनल मार्केट में 140 डॉलर प्रति बैरल की करीब पहुंच गए थे। हालांकि, अब तेल के दाम कुछ कम हुए हैं और ये 100 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास है। जंग की वजह से वेस्ट ने रूस पर कई पाबंदियां लगाई है। पाबंदियों की वजह से भारत की तेल सप्लाई प्रभावित नहीं हुई है, लेकिन क्रूड के दाम बढ़ने का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम पर दिख रहा है।

अब 28 नहीं 30 दिन की वैलिडटी होगी

जियो के बाद एयरटेल ने लॉन्च किए 30 दिन वैलिडिटी वाले दो नए प्लान, कीमत 296 रुपए से शुरू

नई दिल्ली

एयरटेल ने 296 रुपए और 319 रुपए के रिचार्ज प्लान पेश किए हैं। ये दोनों एयरटेल प्रीपेड रिचार्ज प्लान 30 दिन की वैलिडिटी के साथ आते हैं। एयरटेल ने ये प्लान तब पेश किए जब टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कुछ महीने पहले टेलीकॉम कंपनियों को कम से कम एक प्लान 30 दिन की वैलिडिटी और एक प्लान पूरे एक महीने की वैलिडिटी के साथ पेश करने के लिए कहा था, ताकि यूजर्स को बेहतर फायदे मिल सकें।

296 रुपए के एयरटेल प्रीपेड प्लान में क्या मिलेगा

296 रुपए का एयरटेल प्रीपेड रिचार्ज प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग, डेली 100 स्स्स् और कुल 25जीबी डेटा मिलता है। इस प्लान की वैलिडिटी 30 दिनों की है। 319 रुपए के एयरटेल प्रीपेड रिचार्ज प्लान में अनलिमिटेड कॉल्स, डेली 100 स्स्स् और डेली 2त्नक्च हाई-स्पीड डेटा मिलेगा। यह प्लान पूरे एक महीने की वैलिडिटी के साथ आता है। 296 रुपए और 319 रुपए के एयरटेल प्रीपेड रिचार्ज प्लान एडिशनल बेनिफिट्स के साथ आते हैं, जिसमें अमेजन प्राइम वीडियो मोबाइल एडिशन का 30-दिन का फ्री ट्रायल, तीन महीने के लिए अपोलो 24×7 सर्कल और फास्टटैग पर 100 रुपए का कैशबैक शामिल है।

अब 30 जून तक करा सकेंगे डिमैट अकाउंट की केवाईसी, पहले 31 मार्च थी आखिरी तारीख

नई दिल्ली

सेबी ने मौजूदा डिमैट अकाउंट के केवाईसी करने की समयसीमा को 30 जून 2022 तक बढ़ा दिया है। यानी अब आप डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की KY 30 जून तक करा सकेंगे। पहले ये समयसीमा 31 मार्च 2022 थी।
नहीं कराने पर डिएक्टिवेट हो जाएगा अकाउंट:- मार्केट रेगुलेटर सेबी ने नया ट्रेडिंग और डीमैट अकाउंट खुलवाने के नियमों में कुछ बदलाव किए हैं। इसके अनुसार अगर आपका डीमैट अकाउंट है तो आपको 30 जून 2022 तक उसकी केवाईसी करनी होगी। अगर केवाईसी नहीं होती है तो डीमैट अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया जाएगा।
इससे आप स्टॉक मार्केट में ट्रेड नहीं कर पाएंगे। अगर कोई व्यक्ति किसी कंपनी का शेयर खरीद भी लेता है तो ये शेयर्स अकाउंट तक ट्रांसफर नहीं हो सकेंगे। केवाईसी पूरा होने और वैरिफाई होने के बाद ही यह पूरा हो सकेगा।

चाहिए होंगी ये 6 जानकारियां

हर डिमैट अकाउंट को छह जानकारियों के साथ केवाईसी करना जरुरी है। लेकिन सभी डीमैट खातों को अभी तक छह केवाईसी मानदंडों के साथ अपडेट नहीं किया गया है। एक डीमैट, ट्रेडिंग खाता धारक को इन छह केवाईसी विशेषताओं को अपडेट करना जरुरी है। जिसमें नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, वैध ईमेल आईडी, आय सीमा शामिल है। 1 जून, 2021 से खोले गए नए डिमैट खातों के लिए सभी 6-केवाईसी विशेषताएं अनिवार्य कर दी गई हैं।

जीएसटी संग्रह 1.42 लाख करोड़

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मार्च में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा, जो रिकॉर्ड है। जुलाई से लगातार जीएसटी संग्रह 1.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इससे पहले जनवरी में 1.40 लाख करोड़ रुपये जीएसटी वसूली हुई थी। फरवरी महीने में जारी जीएसटी ई-वे बिल की संख्या बढ़ गई थी, जिसका असर मार्च 2022 में जीएसटी राजस्व में दिखा है। अप्रैल महीने में भी जीएसटी संग्रह में तेजी बनी रह सकती है। पिछले साल मार्च की तुलना में इस साल मार्च में जीएसटी संग्रह 15 फीसदी अधिक रहा है। मार्च 2020 की तुलना में राजस्व संग्रह 46 फीसदी ज्यादा रहा है। वित्त मंत्रालय द्वारा आज जारी अंतरिम आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जीएसटी संग्रह 1.33 लाख करोड़ रुपये रहा था। फरवरी के संग्रह पर कोरोनावायरस की तीसरी लहर का असर दिखा था, जिसके कारण सकल जीएसटी संग्रह जनवरी के 1.40 लाख करोड़ रुपये से कम रहा था। फरवरी में कुल 6.91 करोड़ ई-वे बिल जारी किए गए थे, जबकि जनवरी में 6.88 करोड़ ई-वे बिल जारी हुए थे। मंत्रालय ने कहा कि ई-वे बिल में इजाफा आर्थिक गतिविधियों में सुधार का संकेत है। सरकार द्वारा अनुपालन उपायों को सख्त बनाए जाने और जीएसटी चोरी एवं फर्जी बिलों पर रोक के उपायों से भी संग्रह बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही व्युत्क्रम शुल्क ढांचे में सुधार से भी राजस्व संग्रह में इजाफा हुआ है। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा, बिक्री में मजबूती की वजह से भी मार्च में रिकॉर्ड जीएसटी वसूली हुई। उन्होंने कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतक में सुधार के साथ ही जीएसटी उपकर चोरी का पता लगाने के लिए डेटा माइनिंग से भी संग्रह में वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा कि मार्च में आयातित वस्तुओं से राजस्व 25 फीसदी बढ़ा है और घरेलू सौदों से जीएसटी संग्रह में 11 फीसदी का इजाफा हुआ है। कुल संग्रह में सीजीएसटी 25,830 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 32,378 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 74,470 करोड़ रुपये और उपकर 9,417 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022 की अंतिम तिमाही में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.38 लाख करोड़ रुपये रहा। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ज्यादा जीएसटी संग्रह के साथ ही सीमा शुल्क और प्रत्यक्ष कर संग्रह में इजाफा होने से सरकार का सकल कर राजस्व वित्त वर्ष 2022 के संशोधित अनुमान से अधिक रह सकता है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)